PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 264 ● भिलाई, गुरुवार 30 अप्रैल 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

24 घंटे के भीतर चार दर्दनाक घटनाएं, चार मौतों से दहला जिला

आजमगढ़। जनपद में बीते 24 घंटे के भीतर अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हुई चार दर्दनाक घटनाओं ने लोगों को झकझोर कर रख दिया। कहीं सड़क हादसे में जिंदगी थम गई, कहीं शराब के नशे में घर लौट रहे युवक की मौत हो गई, तो कहीं घाघरा नदी में नहाने गया किशोर हमेशा के लिए गहरे पानी में समा गया। वहीं कंधरापुर क्षेत्र में एक अज्ञात वृद्ध महिला का शव मिलने से सनसनी फैल गई। लगातार हुई इन घटनाओं से जिले में मातम का माहौल है। पहली घटना पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर हुई, जहां अमेठी जनपद के मुसाफिरखाना थाना क्षेत्र के होसियाना निवासी मोहम्मद रईस (49) पुत्र मुन्नू सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। हादसा एक्सप्रेस-वे के 234.5 किलोमीटर के पास हुआ। घायल अवस्था में उन्हें 108 एंबुलेंस की मदद से मंडलीय जिला चिकित्सालय आजमगढ़ लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें बचाने का भरसक प्रयास किया, लेकिन उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। अस्पताल प्रशासन की सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी। दूसरी घटना दीदारगंज थाना क्षेत्र की है। जौनपुर जनपद के सरपतहां थाना क्षेत्र के भटौली गांव निवासी विपिन शर्मा (28) पुत्र केशव शर्मा रविवार को अपनी ससुराल फुलेश आए थे। परिजनों के अनुसार वह अत्यधिक शराब के नशे में थे।

कश्मीर में गोला-बारूद के साथ पांच गिरफ्तार

श्रीनगर। कश्मीर में पांच लोगों के पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद जब्त किया गया है. जिसमें हैंड ग्रेनेड, कारतूस, मोबाइल फोन और आपत्तिजनक सामग्री शामिल है. पुलिस ने उनके खिलाफ श्रीनगर के पंथा चौक थाने में गैर-कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है. इनकी पहचान मोहम्मद शफी भट (उर्फ डॉ. शफी), हादी कादिर, मोहम्मद जमाल मीर, मेराजुद्दीन डार (उर्फ मेहरान) और फैयाज अहमद डार के रूप में हुई है. ये सभी श्रीनगर के रहने वाले हैं. यह गिरफ्तारियां श्रीनगर पुलिस द्वारा एक महिला सहित चार आतंकी मददगारों की गिरफ्तारी के ठीक एक हफ्ते के भीतर हुई हैं.

मुख्यमंत्री ने 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं के परीक्षा परिणाम जारी की

रिजल्ट में बेटियों का दबदबा टॉप-10 में 8 छात्राएं शामिल

■ विद्यार्थियों की सफलता उनके परिश्रम,अनुशासन और समर्पण का परिणाम है: मुख्यमंत्री

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज मंत्रालय महानदी भवन से छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल के कक्षा 10वीं और 12वीं के बोर्ड परीक्षाओं का परिणाम जारी कर परीक्षा में सफल हुए सभी विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इस वर्ष हाई स्कूल परीक्षा में 77.15 प्रतिशत तथा हायर सेकेंडरी परीक्षा में 83.04 प्रतिशत विद्यार्थियों ने सफलता अर्जित की है, जो प्रदेश की शैक्षणिक प्रगति का सकारात्मक संकेत है। उन्होंने इस उपलब्धि को राज्य के शिक्षा तंत्र, शिक्षकों और अभिभावकों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम बताया। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से बेटियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश की बेटियां लगातार शिक्षा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं। उन्होंने इसे न केवल छात्राओं के आत्मविश्वास और परिश्रम का प्रमाण बताया, बल्कि समाज में शिक्षा के प्रति बढ़ती जागरूकता और सकारात्मक बदलाव का भी प्रतीक बताया। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि दूरस्थ एवं

वनांचल क्षेत्रों के विद्यार्थियों ने प्रावीण्य सूची में स्थान बनाकर यह सिद्ध कर दिया है कि प्रतिभा संसाधनों की मोहताज नहीं होती। मुख्यमंत्री ने कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद इन विद्यार्थियों ने अपने दृढ़ संकल्प और अथक परिश्रम से उल्लेखनीय सफलता हासिल की है, जो पूरे प्रदेश के लिए प्रेरणास्रोत है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह सफलता केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि प्रदेश के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वे अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग राष्ट्र निर्माण में करें और विकसित भारत तथा विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी अपने परिवार, समाज और प्रदेश का गौरव हैं। उनकी उपलब्धियां आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेंगी और शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त करेंगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने ऐसे विद्यार्थियों, जिन्हें अपेक्षित सफलता नहीं मिली है, उन्हें निराश न होने, आत्मविश्वास बनाए रखने और सकारात्मक सोच के साथ निरंतर प्रयास करते रहने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि निरंतर प्रयास करने से एक दिन निश्चित ही सफलता उनके कदम चूमेगी। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव, वन मंत्री श्री केदार कश्यप, छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल की अध्यक्ष श्रीमती रेणु पिल्ले, स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव श्री सिद्धार्थ कोमल परदेशी सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

अफसर बनना चाहती है टॉपर संध्या,रिया ने कहा-डॉक्टर बनकर करुंगी समाज की सेवा

महासमुंद। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने 10वीं-12वीं बोर्ड के नतीजे जारी कर दिए हैं। 10वीं में तीन छात्रों ने टॉप टेन में पहला स्थान प्राप्त किया है, इनमें संध्या नायक, परीक्षनी प्रधान और अंशुल शर्मा शामिल हैं। तीनों को 594 अंक मिले हैं। कक्षा 10वीं की टॉपर संध्या नायक एकलव्य इंग्लिश स्कूल अर्जुंदा की छात्रा है। उन्होंने 99 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिले का मान बढ़ाया है। संध्या नायक ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और शिक्षकों को दिया है। संध्या ने बताया, मेरे रिजल्ट से परिवार और टीचर सभी बहुत खुश हैं। लगातार बधाई के लिए फोन भी आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि वह डिटी कमिश्नर बनना चाहती है।

हरदोई से किया गंगा एक्सप्रेसवे को लोकार्पण

शिलान्यास भी हम करते हैं और उद्घाटन भी-पीएम मोदी

नई दिल्ली/ एजेंसी

नरेंद्र मोदी ने आज उत्तर प्रदेश को उसके सबसे लंबे एक्सप्रेसवे की सौगात दी। प्रधानमंत्री ने हरदोई जिले के मल्लावां से 594 किलोमीटर लंबे मेरठ-प्रयागराज गंगा एक्सप्रेसवे का लोकार्पण किया। यह एक्सप्रेसवे न सिर्फ यूपी के आर्थिक विकास को नई गति देगा, बल्कि इसे राज्य की लाइफलाइन भी माना जा रहा है। यह परियोजना पश्चिमी और पूर्वी उत्तर प्रदेश को सीधे जोड़ते हुए 12 जिलों और करीब 518 गांवों को कनेक्ट करेगी। एक्सप्रेसवे के शुरू होने से मेरठ और प्रयागराज के बीच यात्रा समय घटकर लगभग 6ङ्क7 घंटे रह जाएगा। इससे उद्योग, व्यापार और कृषि क्षेत्र को सीधा लाभ मिलने की उम्मीद है। साथ ही, धार्मिक पर्यटन जैसे संगम और काशी को भी बढ़ावा मिलेगा। इस परियोजना की कुल लागत करीब 36,320 करोड़ रुपये बताई गई है। हरदोई में आयोजित उद्घाटन समारोह में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उत्तर प्रदेश को एक्सप्रेसवे का यह वरदान मां गंगा का आशीर्वाद है। उन्होंने कहा कि यह एक्सप्रेसवे प्रदेश के विकास की नई दिशा तय करेगा और लोगों को कम समय में संगम और काशी जैसे धार्मिक स्थलों तक पहुंचने में मदद करेगा। इस एक्सप्रेसवे के साथ ही उत्तर प्रदेश देश में सबसे ज्यादा एक्सप्रेसवे नेटवर्क वाला राज्य बन गया है, जो इसकी तेजी से बढ़ती बुनियादी ढांचा क्षमता को दर्शाता है।

रूस ने भारत के लिए रवाना की चौथी एस-400 वायु रक्षा प्रणाली

नईदिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर की वर्षगांठ की पूर्व संध्या पर चौथी रूसी एस-400 वायु रक्षा प्रणाली भारत के लिए रवाना हो चुकी है। इसके मई के मध्य तक भारत पहुंचने की उम्मीद है। इसी तरह 5वीं एस-400 के इसी साल नवंबर में भारत भेजे जाने की संभावना है। केंद्र सरकार ने पहले ही 5 और एस-400 प्रणालियों की खरीद को हरी झंडी दे दी है, जिनमें किसी भी हवाई लक्ष्य को 400 किलोमीटर की लक्ष्य सीमा तक नष्ट करने की क्षमता है। रिपोर्ट के अनुसार, सूत्रों ने बताया कि भारतीय वायुसेना के अधिकारियों ने चौथी एस-400 वायु रक्षा प्रणाली का भारत रवाना किए जाने से पहले ही 18 अप्रैल को निरीक्षण कर लिया था। यह एंटी-बैलिस्टिक मिसाइल प्रणाली पिछले सप्ताह रूस से भेजी गई थी।

साय कैबिनेट की बैठक

छत्तीसगढ़ शहरी गैस वितरण नीति 2026 को मिली मंजूरी

रायपुर। संवाददाता

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आज मंत्रालय, महानदी भवन में कैबिनेट बैठक हुई, जिसमें 'छत्तीसगढ़ शहरी गैस वितरण नीति, 2026'' को मंजूरी दी गई। वहीं तीन आईपीएस अधिकारियों का डिमोशन निरस्त किया गया। इसके अलावा कई अहम फैसले लिए गए। मंत्रिपरिषद ने आज ''छत्तीसगढ़ शहरी गैस वितरण नीति, 2026'' को मंजूरी प्रदान की। इस नीति के माध्यम से प्रदेश में स्वच्छ एवं सस्ती प्राकृतिक गैस की उपलब्धता सुनिश्चित हो सकेगी और आम उपभोक्ताओं को एलपीजी की तुलना में किफायती विकल्प मिलेगा। साथ ही इस नीति से पाइपलाइन के माध्यम से गैस की त्वरित और सुगम आपूर्ति का विस्तार होगा, जिससे शहरी क्षेत्रों में सुविधाजनक ईंधन व्यवस्था विकसित होगी। इस पहल से स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा, ईंधन उपयोग में विविधता आएगी और राज्य में पाइपलाइन अधोसंरचना के विकास के साथ बड़े पैमाने पर निवेश एवं रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। राज्य सरकार का यह निर्णय पर्यावरण संरक्षण और जनसुविधा, दोनों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मंत्रिपरिषद ने आधुनिक खेल मैदान और क्रिकेट अकादमी के निर्माण के लिए जिला क्रिकेट एसोसिएशन, राजनांदगांव को सूर्यमुखी देवी राजगामी संपदा के नाम पर दर्ज भूमि में से 5 एकड़ भूमि को रियायती दर पर आबंटित करने का निर्णय लिया।

हाथ में राइफल लिए शेयर की तस्वीर

डोनाल्ड ट्रंप की ईरान को आखिरी चेतावनी

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव अब एक बेहद खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को चेतावनी देते हुए साफकर दिया है कि वह परमाणु समझौते को लेकर अब और इंतजार करने के मूड में नहीं हैं। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर एक बेहद आक्रामक पोस्ट साझा की है, जिसमें उन्होंने एक हाथ में असॉल्ट राइफल पकड़ी हुई है और उस पर कैप्शन लिखा है ÒNO MORE MR NICE GUYÓ! इस पोस्ट के जरिए ट्रंप ने ईरान को 'जल्द ही समझदार बनने' की नसीहत दी है।

मंगलवार, 28 अप्रैल 2026 को साझा की गई इस पोस्ट में राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान की कार्यप्रणाली पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने लिखा कि ईरान अपना काम ठीक से नहीं कर पा रहा है और उन्हें यह तक नहीं पता कि एक गैर-परमाणु समझौते पर हस्ताक्षर कैसे किए जाते हैं।

हाईवे पर बोलेरो की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत

बाराबंकी। जिले में लखनऊ-सुल्तानपुर हाईवे पर मंगलवार सुबह तेज रफ्तार बोलेरो की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि लोनीकटरा थाना क्षेत्र में हुए इस दर्दनाक हादसे में ललई खेड़ा निवासी उदयराज (42) अपने रिश्तेदार लखनऊ के गोसाईंगंज थाना क्षेत्र के निजामपुर गांव निवासी वासुदेव (40) के साथ बाइक से मंगलपुर स्थित अपने गांव जा रहे थे। उन्होंने बताया कि लखनऊ सुल्तानपुर हाईवे पर मंगलपुरवा कट के पास उनकी बाइक तेज रफ्तार बोलेरो की चपेट में आ गई, जिससे दोनों की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई। हादसे के बाद भाग रही बोलेरो को ग्रामीणों ने कुछ दूरी पर घेरकर रोक लिया।

छत्तीसगढ़ में बड़ी वारदात

शादी से लौट रहीं दो नाबालिगों से नौ लड़कों ने किया सामूहिक दुष्कर्म

सरगुजा। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले से सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। जहां दो आदिवासी लड़कियों के साथ 8 से 9 लड़कों ने अलग-अलग जगह पर सामूहिक दुष्कर्म किया। इस घटना के बाद क्षेत्र में हड़कम मचा है। मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार, 24 अप्रैल को शाम 4 नाबालिग लड़कियां शादी समारोह से देर रात घर लौट रही थीं। इस दौरान बाइक पर सवार 8-9 लड़कों ने उनका

रास्ता रोक। किसी तरह दो नाबालिगों ने बचकर भाग निकलीं। वहीं दो नाबालिगों के साथ आरोपियों ने अलग अलग जगहों पर ले जाकर सामूहिक दुष्कर्म किया। जानकारी के अनुसार, दो बजे रात को पीड़िता घर पहुंची, लेकिन डर की वजह से घर में कुछ नहीं बताया। वहीं 25 अप्रैल को एक नाबालिग ने अपनी आपबीती परिजनों को सुनाई। इसके बाद परिजन थाना रिपोर्ट दर्ज कराने पहुंचे। 26 अप्रैल को पुलिस ने एक नाबालिग की मां की शिकायत पर पुलिस ने प्रियांशु खलखो, आशीष, राहुल व अन्य के खिलाफ धारा 70 (2) बीएनएस और पॉक्सो एक्ट की धारा 4(2), 5 (जी) व 6 के तहत अपराध दर्ज किया और दोनों पीड़िताओं की एमएलसी हुई। सरगुजा एएसपी अमोलक सिंह ढिल्लो ने दो नाबालिग के साथ सामूहिक दुष्कर्म की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि मामले में दो एफआईआर दर्ज कर ली गई है। 29 अप्रैल को दोनों नाबालिग लड़कियों को अंबिकापुर लाया गया है।

4 मई को आएंगे सभी विधानसभा चुनाव के नतीजे

पश्चिम बंगाल चुनाव के दूसरे चरण में बंपर वोटिंग शाम 5 बजे तक 89.99 प्रतिशत के साथ मतदान..

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में आज दूसरे और अंतिम फेज के लिए मतदान शुरू हो गया है। सुबह से ही मतदान केंद्रों पर वोटर्स की भारी भीड़ लगना शुरू हो गई है। शाम 5 बजे तक 89.99ब्र मतदान हो चुका है। चुनाव आयोग ने शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल और केंद्रीय सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं। हावड़ा और बारानगर में ईवीएम की खराबी की खबर सामने आ रही है, जिसके चलते वहां हंगामा देखने को मिल रहा है। अब देखना यह है कि क्या बंगाल में ममता बनर्जी एक बार फिर सरकार बना पाएंगी या फिर सत्ता विरोधी लहर का असर दिखाई पड़ेगा। आज दूसरे चरण में 142 सीटों पर वोट डाले जा रहे हैं। जबकि 4 मई को सभी विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित किए जाएंगे। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में कुल 142 सीटों पर मतदान की प्रक्रिया जारी है। जहां लोग काफी बढ़चकर अपने मताधिकार का प्रयोग कर रहे हैं।

वोटर टर्नआउट के मुताबिक, शाम 5 बजे तक 89.99 प्रतिशत दर्ज हुआ है। कई बूथों पर अभी भी मतदान के लिए लंबी लाइनें लगी हैं। पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज अग्रवाल ने एक मतदान केंद्र पहुंचकर वोट डाला। आज बुधवार को दूसरे चरण में 142 सीटों पर मतदान की प्रक्रिया जारी है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि हम जीतने की उम्मीद कर रहे हैं, लेकिन मैं कहूंगा कि एग्जिट पोल में कुछ चुनौतियां रहती हैं। हमें नहीं पता कि सैंपल क्या सही प्रतिनिधित्व कर पा रहा है या नहीं? बहुत से लोग जवाब ही नहीं देते तो आप कैसे सही एग्जिट पोल निकालेंगे... हम बहुत आश्वस्त हैं कि हम चुनाव में बहुत अच्छा प्रदर्शन करेंगे। हमें 4 मई का इंतजार है। पश्चिम बंगाल के विशेष मतदाता सूची पर्यवेक्षक सुब्रत गुप्ता ने कहा कि कार्रवाई की जाएगी। जहां भी EVM से छेड़छाड़ हुई है, वहां दोबारा चुनाव कराए जा सकते हैं।पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में 142 सीटों पर मतदान चल रहा है। टीएमसी की पूर्व सांसद और लोकप्रिय अभिनेत्री नुसरत जहां ने कोलकाता के डायमंड सिटी साउथ अपार्टमेंट स्थित मतदान केंद्र पर वोट डाला। नुसरत जहां ने कहा कि सभी नागरिकों को अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करना चाहिए।

बंगाल के पांच एग्जिट पोल्स में भाजपा, दो में तृणमूल आगे

नईदिल्ली। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के एग्जिट पोल के नतीजे बेहद चौंकाने वाले हैं। सामने आए सात प्रमुख एग्जिट पोल्स में से पांच सर्वे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनने का साफसंकेत दे रहे हैं। पांचों सर्वे में भाजपा न केवल तृणमूल कांग्रेस को पछाड़ती दिख रही है, बल्कि स्पष्ट बहुमत के साथ राज्य में अपनी पहली सरकार बनाने की ओर अग्रसर है। 'प्रजा पोल' ने तो भाजपा की सबसे बड़ी जीत की भविष्यवाणी करते हुए उसे 178-208 सीटें मिलने का अनुमान जताया है। वहीं, 'पोल डायरी' (142-171), 'पी-मारक्यू' (150-175), 'चाणक्य स्ट्रैटजीज' (150-160), और 'मैट्रिज' (146-161) ने भी भाजपा को बहुमत के आंकड़े के पार रखा है। वहीं, इन सबके बीच दो सर्वे ऐसे भी हैं जो टीएमसी के लिए राहत की खबर लेकर आए हैं। 'पीपल्स पल्स' और 'जनमत पोल्स' ने टीएमसी की शानदार वापसी का अनुमान जताया है। 'जनमत पोल्स' के अनुसार टीएमसी 195-205 सीटें जीतकर अपनी सत्ता बरकरार रख सकती है, जबकि उसने भाजपा को 80-90 सीटों पर समेट दिया है। इसी तरह, 'पीपल्स पल्स' ने टीएमसी को 177-187 सीटें और भाजपा को 95-110 सीटें दी हैं।

18 महीने में मनरेगा से एक भी पुल पुलिया चेकडेम स्वीकृत नहीं नाराज़ सरपंचों ने की जिला पंचायत घेरने की तैयारी

गरियाबंद। डबल इंजन की सरकार बनते की ग्राम पंचायत में विकास की उम्मीद काफ़ी ज्यादा रही लेकिन डेढ़ साल बीतने के बाद भी ग्राम पंचायतो चेकडेम तटबंध जैसे बड़े बड़े जल संरक्षण वाले काम तो दूर की बात है छोटा छोटा पुलिया तक नहीं मिल रहा है मतलब विकास कार्य पूरी तरह ठफ पड़ा है जिससे नाराज पंचायत प्रतिनिधि सीधा सरकार को दोषारोपण कर जमीनी स्तर पर छवि धूमिल होने की बात स्वीकार रहे है आपको बता दे कि देवभोग मैनपुर गरियाबंद और छुरा के कुछ पंचायतों में पिछले लगभग डेढ़ साल से मनरेगा के तहत विकास कार्य पूरी तरह से ठप पड़े हुए है हालात यह है कि पूल-पुलिया, चेकडेम जैसे महत्वपूर्ण निर्माण कार्यों का एक भी प्रस्ताव धरातल पर नहीं उतर पाया है जिससे पंच सरपंच जनपद सदस्य जैसे तमाम निर्वाचित जनप्रतिनिधियों में भारी नाराजगी देखने को मिल रही है सरपंचो का कहना है कि मनरेगा के तहत जल संरक्षण के लिए नालों में चेकडेम स्वीकृत दिया जाता था और यह काफी हद तक सफल भी है उक्त चेकडेम के सहारे किसानों के खेत तक पानी जाने के साथ साथ निस्तारी में सहूलियत देखा जाता है इसके अलावा पुल पुलिया से किसान एवं राहगीरो को भी काफ़ी ज्यादा राहत मिलती है और ऐसे अन्य निर्माण कार्य होते रहे जिससे गांव का विकास भी होता रहा साथ ही साथ मजदूरों को स्थानीय स्तर पर आसानी से काम भी मिल जाता था लेकिन पिछले डेढ़ साल से इन कार्यों के बंद होने से स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है मनरेगा में काम नहीं मिलने के कारण पंचायत प्रतिनिधि सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहा है क्योंकि रोजगार के अभाव में कई ग्रामीणों को शहरों की ओर पलायन के लिए रूख कर रहे है कई सरपंचों का कहना है कि बार-बार मांग और आवेदन देने के बावजूद विभाग केवल आश्वासन देने का काम पिछले कई महीनों से कर रहा है लेकिन जमीनी स्तर पर कोई कार्य स्वीकृति नहीं मिला तो वहीं, अधिकारियों का कहना है कि प्रस्ताव तैयार किए जा रहे हैं और स्वीकृति की प्रक्रिया होने की बात कह कर टाल मटोल कर रहे है ।

अब जिला पंचायत घेराव की तैयारी

बीते कुछ माह पहले सरपंच संघ ने विशाल रेली निकालकर ज्ञापन सौंपा था और सख्त लहजे में चेतावनी देते हुए 15 वित्त और मनरेगा के कार्य को सुचारू रूप से स्वीकृति देने की मांग किया रहा लेकिन महीनों बीतने के बाद भी कोई कार्य पंचायतों में नहीं मिला हालांकि फिंगेश्वर मैनपुर के कुछ पंचायतों में चेकडेम स्वीकृति होने की बात कही जाती है लेकिन देवभोग एक भी ना चेकडेम मिला है और न कोई पुलिया ऐसे में विकास कार्य सिर्फ अधिकारियों कार्यालय वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग तक ही नजर आता है तभी डेढ़ साल बीतने के बाद भी गरियाबंद जिले से धरातल में विकास नहीं पहुंचा इसलिए कई सरपंचों ने दौड़ भाग भी बंद कर दिया और अब डेढ़ साल में एक पुलिया नहीं बना पाने रोजगार नहीं दिला पाने सहित कई तरह की खरी खोटी बाते सुनाने को मजबूर है ।

सरकार की छवि पर धूमिल

विकास कार्य पर ब्रेक लगने के चलते सबसे ज्यादा छवि सरकार की खराब हो रही है क्योंकि तत्कालीन सरकार में लगभग पंचायत में मनरेगा के कार्य संचालित होता रहा यहाँ तक कोरोना काल के दौरान भी लोगो को इस महत्वपूर्ण योजना से ज्यादा से ज्यादा रोजगार देते मजदूरी की आर्थिक स्थिति को बढ़ते देखा जाता था लेकिन वर्तमान पर पंचायत में पूरी तरह से विकास कार्य में ब्रेक लग गया है जिसकी परवाह में अधिकारियों को है और न ही सत्तारूढ़ जनप्रतिनिधियों को शायद यही वजह है कि पंचायतों में आज भी विकास कार्य ठफ पड़ा हुआ।

आस्था के साथ आधारभूत विकास भी हमारी प्राथमिकता : रामू रोहरा

धमतरी। ग्राम परसतराई स्थित शीतला मंदिर परिसर में अतिरिक्त कक्ष निर्माण, गोठान में बोरखनन एवं वार्ड क्र 8 में नाली निर्माण कार्यों का विधिवत भूमिपूजन गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में नगर निगम धमतरी के महापौर जगदीश रामू रोहरा उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती संतकुमारी किरण साहू जनपद सदस्य पोटियाडीह, परसतराई ने की। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष विनय जैन, बूथ अध्यक्ष प्रताप मरकाम सहित वरिष्ठ कार्यकर्ताओं एवं जनप्रतिनिधियों की विशेष उपस्थिति रही। मुख्य अतिथि महापौर रामू रोहरा ने अपने उद्बोधन में कहा कि धार्मिक स्थलों का विकास केवल आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक विरासत को सशक्त करने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि शीतला मंदिर परिसर में अतिरिक्त कक्ष निर्माण से श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों के लिए व्यवस्थित स्थान उपलब्ध होगा। महापौर रोहरा ने गोठान में बोरखनन एवं वार्ड क्र 8 में नाली निर्माण कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि ये कार्य ग्रामीण जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं से जुड़े हैं। बोरखनन से जल सुविधा सुदृढ़ होगी, वहीं नाली निर्माण से स्वच्छता व्यवस्था बेहतर बनेगी और जल निकासी की समस्या का समाधान होगा। उन्होंने कहा कि आस्था के साथ-साथ आधारभूत सुविधाओं का विस्तार भी समान रूप से जरूरी है। उन्होंने आगे कहा कि शहर और गांव दोनों क्षेत्रों का संतुलित एवं समग्र विकास ही उनकी प्राथमिकता है और जनभावनाओं के अनुरूप विकास कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। कार्यक्रम में सरपंच श्रीमती गंगा मरकाम, उपसरपंच गोवर्धन साहू, सचिव असलम खान सहित पंचगण एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

रामसागर तालाब के गहरीकरण हेतु नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन ने कियाभूमिपूजन

कैबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा व कलेक्टर के प्रति आभार व्यक्त किया गया

बलौदाबाजार। नगर पालिका क्षेत्र अंतर्गत नगर की सबसे बड़ी राम सागर तालाब में विकास कार्य प्रारंभ है, इसके साथ ही तालाब का गहरीकरण कोये जाने नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन के द्वारा श्री फल तोड़कर भूमि पूजन कर कार्य प्रारंभ कराया गया, नगर बलौदाबाजार के लिए रामसागर तालाब अत्यंत प्राचीन तालाब होने के साथ ही निस्तारी एवं धार्मिक दृष्टिकोण से बहुत महत्वपूर्ण तालाब है, खनन कार्य में राशि कम होने पर कैबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा से तालाब खनन किए जाने की मांग रखी गई, वह कलेक्टर से चर्चा उपरांत तालाब खनन व गहरीकरण हेतु स्वीकृति प्राप्त हुई, व कार्य प्रारंभ कराया गया। नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन ने उक्त कार्य प्रारंभ होने पर कैबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा एवं कलेक्टर के प्रयासों के प्रति आभार व्यक्त किया गया आने वाले समय में तालाब का खनन पूर्ण होने पर जन सामान्य को साफ स्वच्छ पानी निस्तारी हेतु मिल सकेगा, रामसागर तालाब वर्तमान में सूखा हुआ है विकास कार्य हेतु पानी निकाले जाने से गहरीकरण का कार्य अत्यंत सुगमता के साथ पूर्ण होगा, इसके लिए नूवोको सीमेंट संयंत्र के सहयोग से कार्य प्रारंभ कराया गया, रामसागर तालाब गहरीकरण कार्य प्रारंभ किए, जाने के लिए भूमि पूजन के अवसर पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी आशीष तिवारी, वार्ड पार्षद गौतम सिंह चौहान ,माइनिंग अधिकारी अवधेश बारिक, भाजपा नेता पारस साहू, गगन वर्मा सहित आसपास के नागरिक गण एवं अन्य अधिकारी व कर्मचारी गण उपस्थित थे।

पद्म पुरस्कार 2027 के लिए 31 जुलाई तक ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित

गरियाबंद। गणतंत्र दिवस, 2027 के अवसर पर घोषित किए जाने वाले पद्म पुरस्कार-2027 के लिए ऑनलाइन नामांकन, सिफारिशें शुरू हो गई है। पद्म पुरस्कारों के नामांकन की अंतिम तारीख 15 जुलाई 2026 है। पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन, सिफारिशें राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल पर ऑनलाइन प्राप्त की जाएंगी। पद्म पुरस्कार अर्थात पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में शामिल है। वर्ष 1954 में स्थापित, इन पुरस्कारों की घोषणा प्रतिवर्ष गणतंत्र दिवस के अवसर पर की जाती है। इन पुरस्कारों के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया जाता है। पद्म पुरस्कार कला, साहित्य एवं शिक्षा, खेल, चिकित्सा, समाज सेवा, विज्ञान एवं इंजीनियरी, लोक कार्य, सिविल सेवा, व्यापार एवं उद्योग आदि जैसे सभी क्षेत्रों, विषयों में विशिष्ट और असाधारण उपलब्धियों, सेवा के लिए प्रदान किए जाते हैं। जाति, व्यवसाय, पद या लिंग के भेदभाव के बिना सभी व्यक्ति इन पुरस्कारों के लिए पात्र हैं। चिकित्सकों और वैज्ञानिकों को छोड़कर अन्य सरकारी सेवक, जिनमें सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में काम करने वाले सरकारी सेवक भी शामिल है, पद्म पुरस्कारों के पात्र नहीं है।

संयुक्त जांच टीम क़ी कार्रवाई, 100 किलो अमानक पनीर का किया गया विनष्टिकरण,फर्म आगामी आदेश तक सीलबंद

बलौदाबाजार। खाद्य पदार्थों के सघन जांच अभियान के पहले दिन सोमवार को संयुक्त जांच टीम ने एनॉलाग पनीर का निर्माण अमानक रूप से पाए जाने के कारण100 किलोग्राम पनीर को नष्ट करवाया गया तथा फर्म को आगामी आदेश तक सील किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार एसडीएम सिमगा के नेतृत्व में अमृतमय फूड्स प्रा. लि. ग्राम औरेठी तहसील सिमगा का निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान अस्वस्थकर दशा में एनॉलाग पनीर का निर्माण किया जा रहा था, जिसके कारण एनॉलाग पनीर का नमूना संकलन कर विश्लेषण हेतु खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला प्रेषित् किया गया है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने उपरान्त आगे की कार्यवाही की जाएगी। मौके पर लगभग 100 किलोग्राम पनीर को नष्ट करवाया गया तथा सयुंक्त दल द्वारा फर्म को आगामी आदेश तक सील किया गया। उल्लेखनीय है कि जिले के नागरिकों को सुरक्षित एवं गुणवत्तायुक्त खाद्य एवं औषधि उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 27 अप्रैल से 11 मई तक 15 दिवसीय सघन जांच अभियान संचालित किया जाएगा है। यह अभियान सही दवा शुद्ध आहार, यही छत्तीसगढ़ का आधार थीम के अंतर्गत संचालित किया जा रहा है। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने सघन जांच अभियान हेतु खाद्य एवं औषधि प्रशासन, राजस्व तथा पुलिस क़ी संयुक्त टीम गठित किया है।

6 करोड़ से बनेंगे दो नए सब स्टेशन लो वोल्टेज और कटौती से मिलेगी राहत

धमतरी। शहरवासियों को विद्युत कटौती और लो वोल्टेज की समस्या से जल्द राहत मिलने जा रही है। दानीटोला और पोस्ट ऑफिस वार्ड में 32 केवीए के दो नए सब स्टेशन स्थापित किए जाएंगे, जिसके लिए 6 करोड़ रुपये की स्वीकृति मिली है। इसे धमतरी के विद्युत ढांचे को मजबूत करने की दिशा में बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। शहर में लंबे समय से लो वोल्टेज और बार.बार बिजली कटौती की समस्या बनी हुई थी, जिससे आम नागरिकों, व्यापारियों और विद्यार्थियों को परेशानियों का सामना करना पड़ता था। इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए महापौर रामू रोहरा ने प्रस्ताव तैयार कर शासन को प्रेषित किया था। महापौर के प्रस्ताव को स्वीकृति देते हुए शासन ने दो सब स्टेशन की मंजूरी प्रदान की है। महापौर रामू रोहरा ने कहा कि इन सब स्टेशनों के स्थापित होने से शहर में विद्युत आपूर्ति अधिक सुचारू होगी। लो वोल्टेज की समस्या दूर होगी और उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली उपलब्ध हो सकेगी। उन्होंने कहा कि यह केवल आधारभूत सुविधा का विस्तार नहीं, बल्कि धमतरी के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। महापौर ने इस स्वीकृति के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उप मुख्यमंत्री अरुण साव, प्रभारी मंत्री टंकराम वर्मा एवं सांसद रूपकुमारी चौधरी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सुशासन सरकार जनता की मूलभूत जरूरतों को प्राथमिकता देते हुए लगातार विकास कार्यों को गति दे रही है। धमतरी शहर को आधुनिक और सुविधायुक्त बनाने के लिए ऐसे कार्य आगे भी जारी रहेंगे। यह स्वीकृति जनता को समर्पित है और इससे हजारों उपभोक्ताओं को सीधा लाभ मिलेगा।

फनी फ्रेंड्स द्वारा राहगीरों के लिये आम पना सेवा का आयोजन वरिष्ठजनों बिपिन दोशी, गोपाल शर्मा की प्रेरणादायक सहभागिता

धमतरी। भीषण गर्मी के इस दौर में जब धमतरी का तापमान लगभग 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है, ऐसे समय में राहगीरों को शीतलता और राहत प्रदान करने के उद्देश्य से फनी फ्रेंड्स के धमतरी द्वारा सोमवार 27 अप्रैल को आम पना सेवा का आयोजन किया गया। रत्नाबांधा रोड स्थित पीडब्ल्यूडी ऑफिस के सामने, स्व.मनहर भाई सेठ की स्मृति में संचालित प्याऊ स्थल पर प्रातः 11.30 बजे से प्रारंभ यह सेवा लगभग ढाई घंटे तक सतत रूप से संचालित रही। आम, पुदीना एवं विशेष मसालों से तैयार स्वादिष्ट एवं शीतल पना सैकड़ों राहगीरों को पिलाया गया जिससे उन्हें भीषण गर्मी में काफी राहत मिली। इस दौरान साइकिल सवार, मोटर साइकिल पर परिवार सहित यात्रा कर रहे लोग, ई.रिक्शा एवं ऑटो चालक तथा पदयात्री बड़ी संख्या में रुके और आम पना का आनंद लिया। अनेक लोगों ने इस पहल को अत्यंत राहतदायक बताते हुए आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस सेवा कार्य की विशेषता यह रही कि शहर के प्रतिष्ठित वरिष्ठ समाजसेवी बिपिन दोशी 87 वर्ष एवं गोपाल शर्मा 82 वर्ष ने स्वयं उपस्थित रहकर लगभग आधे घंटे तक पना वितरण में अपनी सेवाएं प्रदान कीं, जो सभी के लिए प्रेरणादायक रहा। इस आयोजन में अशोक खंडेलवाल, पराग दोशी, सुमन शर्मा, राधिका जोशी, धनश्री जोशी, सुभाष मलिक, सरिता दोशी, संतोष साहू, रिज़वान अली, अविनाश एवं घनश्याम सहित अनेक सेवाभावीजनों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। फनी फ्रेंड्स धमतरी के सदस्यों द्वारा प्रत्येक वर्ष ग्रीष्म ऋतु में 3-4 बार इस प्रकार के सेवा कार्य आयोजित किए जाते हैं, जिससे आमजन को गर्मी में राहत देने का प्रयास किया जाता है।

नियम विरूद्ध कार्य करने वाले राजस्व अधिकारियों पर कब गिरेगी गाज

अधिकारी का कमाल, नगर तथा ग्राम निवेश क्षेत्रांतर्गत आने वाले भूमि का बिना एनओसी किया डायवर्सन

धमतरी। जिले में जबसे कलेक्टर के रूप में अबिनाश मिश्रा ने पदभार संभाला है, तबसे लेकर अब तक जिले में केंद्र एवं राज्य सरकार जनहित कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन के साथ साथ पर्यटन के क्षेत्र में भी अनेक उपलब्धि भरे कार्य कराये है। साथ ही उन्होंने बेरोजगार युवक युवतियों के लिये टेक स्टार और अभी हाल ही में युवा फेस्ट 2026 का आयोजन कर छत्तीसगढ़ में निवासरत लोगों का ध्यान इस ओर आकर्षित कराने में सफलता प्राप्त की है। इस आयोजन से निःसंदेह युवाओं का हौसला बढ़ा और उन्हें रोजगार के नित नये तरीके भी सीखने को मिले। और तो और जिन छात्र-छात्राओं को उनकी प्रतिभा को निखारने के लिये मंच चाहिये था, उन्हें मंच भी मिला। कलेक्टर श्री मिश्रा ग्राउंड जीरो पर स्वयं पहुंचकर निर्माण कार्य सहित अन्य कार्यों का जायजा भी चिलचिलाती धूप में ले रहे हैं। लेकिन राजस्व विभाग में चल रही मर्राशाही को लेकर संबंधित अधिकारियों पर अब तक कोई नकेल न कसे जाने से ऐसे अधिकारियों के हौसले बुलंद है। इनका दावा है कि हमारा कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता। यही कारण है कि जिले से नियम विरूद्ध कार्य करने की शिकायतें लगातार मीडिया की सुर्खियां बनते आ रही है। अभी हाल ही में नगरी सिहावा क्षेत्र में 24 दिन के सुल्तान रहे अनुविभागीय अधिकारी राजस्व ने तो नियम विरूद्ध अनेक डायवर्सन प्रकरणों में आदेश कर एक नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया है। लेकिन अब तक उक्त अधिकारी द्वारा नियम विरूद्ध डायवर्सन के प्रकरणों की जांच भी नहीं होने से अनेक सवाल उठ रहे है। कलेक्टर श्री मिश्रा के नाम जिलेवासियों का संदेश कि नियम विरूद्ध कार्य करने वाले राजस्व अधिकारियों पर आखिर कब गिरेगी गाज। सूचना के अधिकार के तहत प्राप्त दस्तावेजों के अनुसार डायवर्सन के 48 प्रकरणों में प्रभारी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व के रूप में कार्यरत अधिकारी ने यहां पदस्थ अनुविभागीय अधिकारी राजस्व के विवाह कार्यक्रम हेतु लिये

गये अवकाश के दौरान 2 फरवरी को पदभार संभाला था जिन्होंने 26 फरवरी तक के कार्यकाल में उक्त आदेश पारित किये हैं जिसमें एक ही खसरा नंबर की भूमि में व्यवसायिक, औद्योगिक एवं रहवास के लिये भूमि का डायवर्सन कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यहां यह बताना लाजिमी है कि वर्ष 2016 में कार्यालय सहायक संचालक नगर तथा ग्राम निवेश के पत्र क्रमांक 1216 नग्रानि 2016 छग नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम 1973 क्रमांक 23 सन 1973 की धारा 15-3 के अनुसरण में सर्व साधारण को जानकारी हेतु यह प्रकाशित किया जाता है कि आयुक्त सह संचालक नगर तथा ग्राम निवेश द्वारा निम्नलिखित अनुसूची में विनिर्दिष्ट नगरी निवेश क्षेत्र में की भूमि के वर्तमान उपयोग संबंधी मानचित्र एवं रजिस्टर तदानुसार सम्यक रूप से अंगीकृत किये जाते हैं। इस सूचना की प्रतिलिपि उक्त अधिनियम की धारा 15-4 के अनुसरण में छत्तीसगढ़ राजपत्र में दिनांक 7 अक्टूबर 2016 को प्रकाशित अनुसूची के अनुसार नगरी निवेश क्षेत्र की सीमाएं उत्तर में ग्राम गोरेगांव, अमाली, संबलपुर, छिपलीपारा, नगरी, बिलभदर एवं डोंगरडुला ग्रामों की उत्तरी सीमा तक, पूर्व में ग्राम सांकरा, मोदे, गोरेगांव, चुरियारा एवं बिलभदर ग्रामों की पूर्वी सीमा तक, दक्षिण में ग्राम सिहावा, सिरसिदा, बोदसेमरा, बीरनपुर, मोदे एवं सांकरा ग्रामों की दक्षिणी सीमा तक, पश्चिम में ग्राम डोंगरडुला, बिलभदर, हरदीभाठा, छिपलीपारा, भीतररास एवं सिहावा ग्रामों की पश्चिमी सीमा तक ग्रामों को निवेश क्षेत्र में शामिल किया गया है।

नगर पंचायत नगरी में धारा 16 प्रभावशील है जिसके तहत ग्राम तथा नगर निवेश के लिखित अनुमति के बिना किसी भी ऐसे प्रयोजन के लिये जो भूमि के वर्तमान उपयोग संबंधी मानचित्र में उपदर्शित किये गये प्रयोजन से भिन्न हो, किसी भूमि के उपयोग को संस्थित नहीं करेगा या उस भूमि के उपयोग में कोई तब्दीली नहीं करेगा। भूमि के किसी भी विकास को कार्यान्वित नहीं करेगा। डायवर्सन के जिन प्रकरणों में आदेश किया गया है उसमें संबंधित व्यक्तियों ने बिजली विभाग, ग्राम पंचायत, लोक निर्माण विभाग से अनुमति लेना बताया है जबकि ग्राम नगर निवेश से किसी भी प्रकार की अनुमति नहीं ली गई है। जानकार लोगों का कहना है कि डायवर्सन के प्रकरण में औद्योगिक, व्यवसायिक और रहवास के लिये जो आदेश किये गये हैं उसमें नगर निवेश की कार्यवाही से बचने के उद्देश्य से ही ऐसे आदेश किये गये हैं जिससे साफ जाहिर होता है कि उक्त अधिकारी ने अपने पद का दुरूपयोग करते हुए उपरोक्त आदेश किये हैं जबकि इस प्रकरण में नगर पंचायत नगरी ने किसी भी प्रकार की अनुमति डायवर्सन के मामले में नहीं दी है। नगरी नगर पंचायत अंतर्गत आने वाले भूभाग में विभिन्न खसरा नंबरों को बटांकन कर जिस तरह नियम विरूद्ध आदेश किये गये हैं उसमें सर्वप्रथम नगर पंचायत नगरी का प्रमाण पत्र होना जरूरी था। इसके अतिरिक्त ग्राम पंचायतों का जो प्रतिवेदन लगाया गया है उसमें सरपंच ने इस डायवर्सन संबंध में लिये गये पंचायत समिति का प्रतिवेदन भी प्रस्तुत नहीं किया है। मात्र अपने अधिकार के चलते वह प्रतिवेदन संबंधित व्यक्ति को दिया है। इस संबंध में ग्राम नगर निवेश की कार्यवाही से बचने के लिये ही उक्त भूमियों को बटांकन कर अनैतिक लाभ पहुंचाया गया है। जागरूक लोगों ने कलेक्टर से इस संपूर्ण प्रकरण की जांच की मांग की है। लेकिन अब तक इस दिशा में कोई जांच या कार्यवाही का संकेत प्राप्त नहीं हुआ है। इसी तरह भखारा, मगरलोड में भी तहसीलदार द्वारा शासकीय घास भूमियों को निजी व्यक्तियों के नाम पर चढ़ाये जाने की शिकायत पिछले एक साल से की जा रही है। भखारा वाले प्रकरण में तत्कालीन कलेक्टर नम्रता गांधी के द्वारा तहसीलदार को प्रेषित एफआईआर दर्ज कराने को लेकर किये गये आदेश को भी संबंधित क्षेत्र के तहसीलदार ने रद्दी की टोकरी में डालकर रखा था। समाचार प्रकाशन के बाद औपचारिकता निभाते हुए एक साधारण सा आवेदन थाने में दिया गया है। ऐसे प्रकरणों में फौरी कार्यवाही होने के बजाय लेटलतीफी होने से ऐसे षड्यंत्रकारियों को अपनी गल्तियों को समाहित करने का मौका मिल जाता है। यही सब कारण है कि आज जिले में संवेदनशील कलेक्टर होने के बावजूद ऐसे अधिकारी उनकी छवि को खराब करने की कोशिश कर रहे है। जागरूक लोगों ने कलेक्टर श्री मिश्रा से मांग की है कि जिस प्रकार जिले को एक साल की अवधि में नित नये आयाम गढ़ते हुए कार्य कराये है, उसी तरह नगरी, भखारा, मगरलोड में राजस्व अधिकारियों द्वारा किये गये संदेहास्पद प्रकरण एवं भ्रष्टाचार की जांच कर उचित कार्यवाही करायेंगे। इस संबंध में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व द्वारा किये गये डायवर्सन प्रकरण के तहत किये गये आदेश का पालन तहसीलदार ने किया या नहीं, इसकी जानकारी लेने के लिये नगरी तहसीलदार श्री ध्रुव के मोबाईल नंबर 9303159046 पर 11.28, 11.29, 11.50 बजे संपर्क किया गया तो उनका व्हाट्सप में संदेश आया कि मैं वर्तमान में मीटिंग में हूं, अतः उनका पक्ष नहीं लिया जा सका।

संक्षिप्त समाचार

बस से कूदे यात्री आग लगने से बालोद रोड में हड़कंप

रायपुर। शादियों के सीजन के बीच सड़क दुर्घटनाएं भी सामने आ रहीं हैं. बालोद जिले में भी उस वक्त हड़कंप मच गया, जब सड़क के बीच बाराती बस में अचानक आग लग गई. घटना से मौजूद बारातियों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया. देखते ही देखते बस में पूरी तरह आग लग गई. जानकारी के मुताबिक, शर्मा ट्रेवल्स की बस बारातियों को कांकेर जिले के अरौद गांव से लेकर बालोद जिले के बड़गांव आ रही थी. जैसे ही बस पुरुर थाना क्षेत्र के जगतरा मंदिर के पास पहुंची अचानक आग लग गई. गनीमत रही कि बस में मौजूद लोगों ने किसी तरह बाहर निकलकर अपनी जान बचाई, जिससे जनहानि होने से टल गई. सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जांच शुरू कर दी है. फिलहाल आग कैसे लगी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है. हालांकि शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई जा रही है.

शादी घर में हत्या, भारी संख्या में फोर्स तैनात

रायपुर। जिले के डोंगरगढ़ ब्लॉक के ग्राम रामाटोला में शादी समारोह के दौरान पुरानी रंजिश ने हिंसक रूप ले लिया, जिसमें चाकूबाजी की घटना में एक युवक की मौत हो गई, जबकि एक अन्य घायल बताया जा रहा है। मृतक की पहचान रामाटोला निवासी 20 वर्षीय योमिश सिन्हा के रूप में हुई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, कुछ दिन पहले ग्राम सांखरा में आयोजित एक शादी समारोह के दौरान मृतक युवक का कुछ युवकों से विवाद हुआ था। इसी रंजिश के चलते आरोपियों ने रविवार देर रात रामाटोला में चल रहे एक अन्य शादी समारोह में योमिश सिन्हा को घेर लिया। पहले उसके साथ मारपीट की गई और फिर चाकू से हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बन गया है। स्थिति को देखते हुए एहतियातन भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटा जा सके। फिलहाल पुलिस मौके पर मौजूद है और पूरे मामले की जांच कर रही है। आरोपियों की तलाश के लिए दबिश दी जा रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा और मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

ट्रेलर चालक की लापरवाही से गिरे बाइक सवार

रायपुर। कोरबा में कटघोरा-बिलासपुर मार्ग पर कसनिया के पास हुए हादसे में तीन युवक बुरी तरह से घायल हो गए। आसपास के ग्रामीणों ने घायल युवकों को अस्पताल पहुंचाया। मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इलाज के दौरानएक युवक की मौत हो गई। दो अन्य घायलोका इलाज चल रहा है। घटना दर्री पुलिस थाना क्षेत्र की है। दर्री पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत लाटा बस्ती में रहने वाले 22 वर्षीय प्रवेश यादव की दुर्घटना में मौत हो गई।शनिवार की देर शाम वह अपने दो दोस्तों के साथ पल्सर बाइक पर सवार होकर कटघोरा के आगे सुतर्रा बारात गया था। कुछ घंटे बाद तीनों दोस्त बाइक से रात में दर्री लौट रहे थे। कसनिय मोड़ के पास विपरीत दिशा से आ रहे ट्रेलर चालक ने बाइक के करीब से ट्रेलर को निकाला, ट्रेलर से टकरा कर तीनो बाइक बड़ गिर गए। आसपास के लोगों को घटना की जानकारी मिलने पर घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की। रविवार कल इलाज के दौरान प्रवेश की मौत हो गई। मेडिकल कॉलेज हास्पिटल चौकी पुलिस ने मर्ग

सम्मान, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रभावी पहल

छत्तीसगढ़ में वरिष्ठ नागरिकों के लिए मजबूत सामाजिक सुरक्षा तंत्र-सीएम विष्णुदेव साय

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान, सुरक्षा और समग्र कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने वृद्धजनों के लिए एक मजबूत और संवेदनशील सामाजिक सुरक्षा तंत्र विकसित किया है, वहीं समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में विभागीय योजनाएँ प्रभावी रूप से धरातल पर क्रियान्वित हो रही हैं। इन प्रयासों से वरिष्ठ नागरिकों को आर्थिक, सामाजिक और भावनात्मक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है। राज्य में वरिष्ठ नागरिकों को योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए किसी अलग सीनियर सिटीजन कार्ड की आवश्यकता नहीं है। आधार कार्ड एवं अन्य वैध दस्तावेजों के माध्यम से आयु और पात्रता का सत्यापन कर सीधे लाभ प्रदान किया जा रहा है, इससे पूरी प्रक्रिया पारदर्शी, सरल और सुलभ बनी है। प्रदेश के राजधानी रायपुर सहित विभिन्न जिलों में संचालित 27 वृद्धाश्रम निराश्रित एवं असहाय वरिष्ठ नागरिकों के लिए सुरक्षित आश्रय बनकर उभरे हैं। वर्तमान में यहां 675 वृद्धजन लाभान्वित हो रहे हैं। यहाँ निःशुल्क आवास, पौष्टिक भोजन, वस्त्र और अन्य आवश्यक सुविधाएँ नियमित रूप से उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे उन्हें गरिमापूर्ण जीवन जीने का अवसर मिल रहा है। गंभीर रूप से बीमार एवं बिस्तर पर आश्रित वृद्धजनों के लिए राज्य में 13 प्रशामक गृह संचालित हैं। वर्तमान में रायपुर, कबीरधाम, दुर्ग, बालोद, रायगढ़ एवं बेमेतरा में 140 वरिष्ठ नागरिक लाभान्वित हो रहे हैं। इन केंद्रों में निरंतर देखभाल, उपचार सहयोग और आवश्यक सेवाएँ प्रदान की जाती हैं, जिससे संवेदनशील स्थिति में भी उन्हें मानवीय और सम्मानजनक जीवन मिल सके। सामाजिक सुरक्षा के तहत पात्र वृद्धजनों को नियमित पेंशन दी जा रही है। बीपीएल एवं एसईसीसी वंचन समूह के वृद्धजनों को 500 रुपए प्रतिमाह तथा 80 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों को 680 रुपए प्रतिमाह पेंशन प्रदान की जा रही है।

यह सहायता उनके दैनिक जीवन में आत्मनिर्भरता और आत्मसम्मान को मजबूती देती है। वरिष्ठ नागरिक को सहायक उपकरण प्रदाय योजना के अंतर्गत राज्य शासन द्वारा गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के निराश्रित वृद्धजनों को उनकी आवश्यकता के अनुसार सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इस योजना के तहत चिकित्सकीय परामर्श के आधार पर अधिकतम 6900 रुपए तक के उपकरण जैसे व्हीलचेयर, वॉकर, बैसाखी, छड़ी, श्रवण यंत्र, चश्मा, ट्राइसाइकिल सहित अन्य आवश्यक सामग्री प्रदान की जाती है, जिससे उनका जीवन अधिक सहज बन सके। 19 प्रमुख तीर्थ स्थलों की तीर्थ यात्रा योजना के माध्यम से उन्हें आध्यात्मिक और मानसिक संतुलन का अवसर मिल रहा है, जो उनके जीवन में नई ऊर्जा का संचार करता है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में 14 यात्राओं के माध्यम से 10 हजार 694 हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया है। छत्तीसगढ़ शासन का लक्ष्य केवल सहायता प्रदान करना नहीं, बल्कि वरिष्ठ नागरिकों को समाज की मुख्यधारा में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करना है। पेंशन, स्वास्थ्य देखभाल, आवास, सहायक सुविधाओं और सामाजिक जुड़ाव के माध्यम से राज्य अपने वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक सशक्त, संवेदनशील और समग्र सामाजिक सुरक्षा तंत्र स्थापित कर रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के नेतृत्व में यह प्रयास आने वाले समय में और अधिक प्रभावी रूप से वृद्धजनों के जीवन को गरिमामय बनाने की दिशा में आगे बढ़ते रहेंगे।

शराब दुकान में चोरी करने वाला पकड़ाया

रायपुर। गोकुल नगर स्थित शासकीय शराब दुकान में सेंधमारी कर शराब और नगदी चोरी करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान अरुण यादव (22 वर्ष), निवासी ग्राम सकरी थाना पलारी जिला बलौदाबाजार के रूप में हुई है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रार्थी दीपक बाघ ने थाना टिकरापारा में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 24 अप्रैल की रात करीब 11 बजे से 25 अप्रैल की सुबह 10 बजे के बीच संतोषी नगर गोकुल नगर स्थित अंग्रेजी शराब दुकान की दीवार तोड़कर अज्ञात आरोपी अंदर घुसा और एक पौवा अंग्रेजी शराब तथा नगदी रकम चोरी कर फरार हो गया।मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उपायुक्त (वेस्ट जोन) संदीप पटेल, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राहुल देव शर्मा एवं सहायक पुलिस आयुक्त नवनीत पाटित ने त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। थाना टिकरापारा प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार मरई के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित कर आरोपी की तलाश शुरू की गई।जांच के दौरान पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और संदिग्धों से पूछताछ के आधार पर आरोपी की पहचान की और उसके संभावित ठिकानों पर दबिश दी। कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के कब्जे से चोरी की गई शराब और नगदी रकम बरामद की गई है।पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 331(4) और 305 के तहत मामला दर्ज कर उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

बस्तर में विकास पर खास फोकस पश्चिम बंगाल में परिवर्तन तय-विष्णुदेव साय.....

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि उनका फोकस अब सिर्फ बस्तर का विकास करना है। सीएम ने कहा कि बस्तर के कई ऐसे गांव है जहां अब तक सर्वे भी नहीं हुआ था वहां अब सड़कें पहुंच रही है। सीएम विष्णुदेव साय ने मोडिया से चर्चा के दौरान कहा, बस्तर क्षेत्रफल की दृष्टि से केरल से बड़ा क्षेत्र है. प्राकृतिक रूप से बेहद समृद्ध और सुंदर क्षेत्र है, पर्यटन की अपार संभावनाए है लेकिन पिछले चार दशकों से नक्सल प्रभावित होने के कारण वहां विकास नहीं पहुंच पाया। कई गांव आज भी बिना सर्वे के है। वहां एक छत्र रूप से नक्सलवाद हावी था। सीएम साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और जवानों के सहयोग से केंद्रीय गृहमंत्री का संकल्प पूरा हुआ। क्षेत्र की जनता

के समर्थन से छत्तीसगढ़ 31 मार्च 2026 को नक्सलवाद से मुक्त हुआ। सीएम ने कहा कि प्रदेश में डबल इंजन की सरकार आने के बाद नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई के साथ साथ बस्तर में विकास के लिए नियद नेल्लनार योजना भी शुरू की गई। बस्तर में सुरक्षा कैंप खुलते गए, जिससे गांव नक्सलमुक्त होते गए। बस्तर के गांव में 17 योजनाओं और 43 व्यक्ति मूलक कामों को लोगों तक पहुंचाने का काम किया गया। 500 से ज्यादा गांव आबाद हो चुके हैं। जहां कोई जाता नहीं था वहां सड़के बन रही है. बिजली पहुंच रही है. स्कूल अस्पताल खुल रहे हैं। विकास के काम हो रहे हैं। बस्तर में शिक्षा को लेकर सीएम साय ने कहा, इस साल के बजट में जगरगुंडा और अबूझमाड़ में एजुकेशन सिटी स्थापित करने की व्यवस्था की गई है, ताकि क्षेत्र के बच्चों को अच्छी क्वॉलिटी की पढ़ाई और अच्छी सुविधा मिले। पश्चिम बंगाल चुनाव को लेकर सीएम साय ने कहा कि वे खुद वहां चुनाव प्रचार में शामिल हुए थे और चार विधानसभा क्षेत्रों में रैलियां कीं. उन्होंने कहा कि पहले लालू राज की बातें सुनी थीं, लेकिन अब पश्चिम बंगाल में स्थिति ऐसी है कि लालू राज भी ममता राज से पीछे नजर आया.

ईंट निर्माण कार्य से आत्मनिर्भर बन रही हैं समूह की महिलाएं

रायपुर/ संवाददाता

ईंट निर्माण कार्य से आत्मनिर्भर बन रही हैं समूह की महिलाएंईंट निर्माण कार्य से आत्मनिर्भर बन रही हैं समूह की महिलाएं जहां वहां राह इस उक्ति को ईंट निर्माण कार्य से जुड़ी महिलाएं चरितार्थ कर रही है। आदिवासी बहुल कोंडागांव जिले के दूरस्थ ग्राम पंचायत कुधुर में समूह की महिलाएं सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की प्रेरक मिसाल प्रस्तुत कर रही है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के अंतर्गत कलेक्टर श्रीमती नुपुर राशि पन्ना के मार्गदर्शन में लक्ष्मी स्वयं सहायता समूह की महिलाएं उल्लेखनीय कार्य कर रही हैं। समूह की महिलाओं ने सीआईएफ एवं बैंक लिंकेज के माध्यम से 4 लाख रुपये का ऋण प्राप्त कर सीमेंट ईंट निर्माण कार्य प्रारंभ किया। सीमित संसाधनों और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और आत्मविश्वास के साथ स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ीं। आज उनके द्वारा निर्मित मजबूत एवं गुणवत्तापूर्ण ईंटों की मांग आसपास के गांवों में लगातार बढ़ रही है। पूर्व में जहां महिलाएं केवल घरेलू कार्यों तक सीमित थीं, वहीं अब वे आर्थिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए परिवार की आय में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। इस पहल से न केवल समूह की महिलाओं को नियमित रोजगार मिला है, बल्कि गांव के अन्य लोगों के लिए भी रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं। ईंट निर्माण से महिलाओं की आय में वृद्धि हुई है, जिससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हुई है। साथ ही उनके आत्मविश्वास और सामाजिक सम्मान में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। लक्ष्मी स्वयं सहायता समूह की महिलाएं अब अन्य ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रेरणा बनकर आत्मनिर्भरता का संदेश दे रही हैं। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के तहत महिलाओं को प्रशिक्षण, तकनीकी मार्गदर्शन और आर्थिक सहयोग प्रदान किया गया, जिसके परिणामस्वरूप यह पहल सफलतापूर्वक संचालित हो रही है। ग्राम पंचायत कुधुर की यह पहल ग्रामीण विकास, महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक उत्कृष्ट उदाहरण है। महिलाओं को अवसर और सही मार्गदर्शन मिलने पर समाज के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

उपमुख्यमंत्री के विशेष प्रयासों से गन्ना किसानों को 13.80 करोड़ जारी

- वैवाहिक सीजन में गन्ना किसानों को मिली बड़ी राहत

रायपुर/ संवाददाता

वैवाहिक सीजन एवं आगामी फसल की तैयारियों के बीच गन्ना किसानों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के विशेष प्रयासों से भोरमदेव सहकारी शक्कर उत्पादक कारखाना, राम्हेपुर (कवर्धा) द्वारा किसानों को 13.80 करोड़ की राशि जारी की गई है। इसके साथ ही चालू पेराई सत्र में अब तक कुल 71.29 करोड़ का भुगतान किसानों को किया जा चुका है। कलेक्टर एवं कारखाने के प्राधिकृत अधिकारी श्री गोपाल वर्मा के मार्गदर्शन में भुगतान प्रक्रिया लगातार जारी है। समयबद्ध भुगतान से सहकारी व्यवस्था में किसानों का विश्वास और अधिक मजबूत हुआ है। चालू पेराई सत्र में कारखाने ने उपलब्धि हासिल की है, जिसमें 2,55,818 मीट्रिक टन गन्ना पेराई एवं 3,09,120 क्विंटल शक्कर उत्पादन किया गया है। यह सफलता किसानों के सहयोग, प्रशासनिक मार्गदर्शन और कारखाने की कुशल कार्यप्रणाली का परिणाम है। भोरमदेव शक्कर कारखाना किसानों और श्रमिकों के हित में निरंतर कार्य कर रहा है। इसमें एफआरपी के अतिरिक्त रिकवरी आधारित भुगतान, शासन द्वारा प्रदत्त बोनस वितरण, रियायती दर पर शक्कर उपलब्धता, उन्नत बीज एवं कृषि मार्गदर्शन, नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम जैसी सुविधाएं शामिल हैं। साथ ही सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत किसानों के लिए सर्वसुविधायुक्त बलराम सदन तथा मात्र 5 रूपए में गरम भोजन की कैंटीन सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है। भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना जिले की अर्थव्यवस्था का मजबूत आधार बनकर उभरा है।

भीषण गर्मी में लू से बचाव के उपाय.....

रायपुर। जिले में आम जन को लू (हिट स्ट्रोक) के बचाव के लिए आवश्यक कदम उठाए हैं। संपूर्ण विश्व में जलवायु परिवर्तन के कारण वैश्विक तापमान में औसत रूप में वृद्धि हुई है, जिसके कारण प्रदेश के साथ हमारे जिले में भी भीषण गर्मी पड़ने एवं लू चलने की संभावना है। गर्मी के कारण सामान्य जनमानस का प्रभावित होता है, जिससे लू लगना एवं अन्य जलजनित बीमारियों होने की होने की संभावना बढ़ जाती है। गर्मी के कारण लू से बचाव तथा जलजनित संक्रामक बीमारियों से बचाव रोकथाम एवं उपचार हेतु पूर्व से तैयारी किया जाना अतिआवश्यक है। इस परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए दिशा निर्देश जारी किए हैं। सिर में भारीपन एवं दर्द होना, तेज बुखार के साथ मुंह सुखाना, चक्कर व उल्टियां होना, कमजोरी के साथ शरीर में अत्यधिक दर्द होना, पसीना नहीं आना, अधिक प्यास लगना लेकिन पेशाब का कम होना, भूख कम लगना, घबराहट लगाना, बेचैनी होना, बेहोश हो जाना आदि लू के लक्षण है। लू लगने का प्रमुख कारण तेज धूप और गर्मी में ज्यादा देर तक रहने के कारण शरीर में पानी और लवण मुख्यतः नमक की कमी हो जाना होता है। इससे बचाव के लिए बहुत जरूरी न हो तो घर से बाहर न जाए, घर से बाहर जाना ही हो तो, खाली पेट न जाए, धूप में निकलने से पहले सर व कान को मुलायम कपड़ों में अच्छी तरह से बांध ले तथा आंख में भी रंगीन चश्मा लगा ले, पानी साथ लेकर घर से निकले एवं बीच बीच में पानी पीते रहे, अधिक समय तक धूप में न रहे।

बीज आपूर्ति में आत्मनिर्भर बनने पर बल

वन डिस्ट्रिक-वन एरोमेटिक वेरायटी को बढ़ावा देने के निर्देश दिए

- विकसित बस्तर की परिकल्पना को साकार करने कृषि सेक्टर की अहम भूमिका: श्रीमती शहला निगार
- मिलेट्स फसलों और दलहन-तिलहन की खेती को बढ़ावा देने के निर्देश

रायपुर/ संवाददाता

विकसित बस्तर की परिकल्पना को साकार करने के लिए कृषि क्षेत्र सहित आनुशांगिक सेक्टरों की अहम भूमिका है। यह बस्तर के समग्र विकास की धुरी है। इसे ध्यान में रखते हुए मक्का एवं मिलेट्स फसलों, दलहन-तिलहन फसल क्षेत्र विस्तार, मसाला फसलों के रकबा विस्तार के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ने की जरूरत है। कृषि उत्पादन आयुक्त श्रीमती शहला निगार ने उक्त बातें आज जगदलपुर में आयोजित संभाग स्तरीय बैठक में कही। उन्होंने बैठक में कहा कि निर्यात योग्य सुगंधित धान की खेती को प्रोत्साहित करने सहित वन डिस्ट्रिक-वन एरोमेटिक वेरायटी पर फोकस करें। साथ ही बस्तर में जैविक खेती की अपार संभावनाओं को देखते हुए जैविक खेती को प्रोत्साहित करने के साथ ही वातावरण के अनुकूल कॉफी एवं ऑयल पाम की खेती को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। उन्होंने पशुपालन, मत्स्यपालन और झींगापालन के लिए भी व्यापक स्तर पर पहल करने को कहा। उन्होंने इस दौरान खरीफ फसल सीजन 2026 के कार्ययोजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। कृषि उत्पादन आयुक्त शहला निगार ने बस्तर के किसानों की बीज की मांग को स्थानीय स्तर पर पूर्ति करने आत्मनिर्भर बनने का लक्ष्य निर्धारित कर बीज उत्पादन कार्यक्रम से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति वर्ग के कृषकों सहित महिला कृषकों को प्रोत्साहित करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इन वर्गों के किसानों को बीज प्रमाणीकरण पंजीयन शुल्क से छूट प्राप्त है, इसलिए बीज उत्पादन कार्यक्रम से उक्त वर्ग के किसानों को ज्यादा से ज्यादा जोड़ने पहल

करें। इन्हें बीज एवं अन्य आदान सामग्री की उपलब्धता सहित प्रशिक्षण से लाभान्वित किया जाए। उन्होंने खरीफ फसल सीजन में कोदो-कुटकी एवं रागी मिलेट्स सहित दलहन-तिलहन फसलों की खेती को बढ़ावा देने कहा। इस दिशा में मक्का की खेती को विशेष तौर पर प्रोत्साहित किए जाने के निर्देश दिए। साथ ही उच्चहन भूमि जैसे टिकरा एवं मरहान भूमि पर आम, काजू, कटहल, सीताफल इत्यादि उद्यानिकी फसलों सहित कंद वर्गीय फसलों में जिमीकंद, रतालू, शकरकंद, अरबी, तिखुर आदि को प्रोत्साहित करने कहा। कृषि उत्पादन आयुक्त ने बस्तर में जैविक खेती की अपार सम्भावनाओं को रेखांकित करते हुए कहा कि यहां की भूमि की उर्वरता और वातावरण जैविक खेती के लिए काफी अनुकूल है। इसलिए अधिकाधिक किसानों को जैविक खेती करने के लिए प्रोत्साहित करें। उन्होंने इस दिशा में दंतेवाड़ा जिले की तरह अन्य जिलों में भी पहले से आर्गेनिक खेती करने वाले क्षेत्रों को चिन्हित कर एक से दो विकासखंडों का चयन कर प्रभावी क्रियान्वयन किए जाने कहा। साथ ही नेशनल मिशन आन नेचुरल फार्मिंग के लिए भी बस्तर को उपयुक्त निरूपित करते हुए इस दिशा में तैयार कार्ययोजना का कारगर कार्यान्वयन किए जाने के निर्देश दिए। कृषि उत्पादन आयुक्त ने 10 वर्ष के भीतर तथा 10 वर्ष से पुरानी विभिन्न किस्मों के रकबा विस्तार के लिए भी प्राथमिकता के साथ क्रियान्वयन सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए।कृषि उत्पादन आयुक्त ने नेशनल मिशन आन एडिबले ऑयल की कार्ययोजना को व्यापक स्तर पर क्रियान्वयन करने पर बल देते हुए कहा कि बस्तर के उच्चहन भूमि तथा अनुकूल जलवायु ऑयल पाम की खेती के लिए काफी अच्छी है। किसान ऑयल पाम की खेती के साथ पामा रोजा एवं लेमनग्रास की इंटर क्रॉपिंग भी कर सकते हैं। साथ ही साग-सब्जी की खेती को भी प्रोत्साहित किया जा सकता है। अतः भविष्य में खाद्य तेल की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए बस्तर में ऑयल पाम की खेती को प्रोत्साहन दिया जाए। बैठक में बस्तर कमिश्नर श्री डोमन सिंह सहित बस्तर, दंतेवाड़ा, कोण्डागांव, सुकमा, बीजापुर एवं नारायणपुर के कलेक्टर और कांकेर जिले के सीईओ जिला पंचायत ने अपने जिले में कृषि तथा संबंधित विभागों के योजनाओं के क्रियान्वयन प्रगति, खरीफ फसल कार्यक्रम कार्ययोजना के क्रियान्वयन तैयारी सहित नवाचारों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

संपादकीय

होर्मुज संकट और युद्ध ,दुनिया को महंगाई और ऊर्जा संकट में धकेल देगा

पाकिस्तान की मध्यस्थता में इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत भी हुई, मगर वह आखिर विफल रही। अब वैश्विक स्तर पर यह उम्मीद की जा रही है कि अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध को खत्म करने के लिए फिर से बातचीत आगे बढ़े।ईरान पर अमेरिका और इजराइल के साझा हमले के बाद करीब एक पखवाड़े पहले बहुत मुश्किल से दो सप्ताह के युद्धविराम पर सहमति बनी थी। फिर दोनों पक्षों के बीच बातचीत की शुरुआत से यह उम्मीद जगी कि वे युद्ध को पूरी तरह खत्म करने पर राजी हो जाएंगे। मगर आज युद्धविराम की अवधि पूरी होने के बाद भी जैसे हालात दिख रहे हैं, उसमें ईरान और अमेरिका के तेवर समाधान की संभावना के सामने एक बड़ी चुनौती है।दूसरी ओर, इस युद्ध के नतीजे में उपजी विकट और जटिल होती परिस्थितियों के बीच ये सवाल उठने लगे हैं कि आखिर अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जारी युद्ध का हासिल क्या होगा और उसका खमियाजा दुनिया के कितने देशों को कब तक भुगतना पड़ेगा। खासतौर पर होर्मुज जलमार्ग को बाधित किए जाने के बाद बहुत सारे देशों में जिस तरह प्राकृतिक गैस और तेल का जैसा संकट खड़ा हो गया है, उसे देखते हुए, स्वाभाविक ही यह मांग उठने लगी है कि अमेरिका और ईरान का रुख चाहे जो हो, उन्हें वैश्विक हित में खुद को नरम करना चाहिए और किसी भी तरह से युद्ध खत्म हो।यह छिपा नहीं है कि इजराइल और अमेरिका के हमले की प्रतिक्रिया में ईरान ने जब होर्मुज जलमार्ग को रोक दिया, तब से भारत सहित दुनिया के कई देशों में प्राकृतिक गैस और तेल की आपूर्ति व्यापक पैमाने पर बाधित हुई है और वहां का जनजीवन बुरी तरह बाधित हुआ है। ये देश युद्ध में शामिल नहीं हैं, लेकिन उसकी मार से पीड़ित हैं।दरअसल, होर्मुज जलमार्ग के जरिए दुनिया के अलग-अलग देशों में बीस फीसद से ज्यादा ऊर्जा की आपूर्ति होती है। मगर जब से इस मार्ग को बाधित किया गया है, लगभग सभी प्रभावित देशों में लोग न केवल रसोई गैस और पेट्रोल-डीजल के संकट का सामना कर रहे हैं, बल्कि रोजमर्रा की जरूरतों के सभी सामान के महंगे होने का दंश भी झेल रहे हैं। इस बीच पाकिस्तान की मध्यस्थता में इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत भी हुई, मगर वह आखिर विफल रही। अब वैश्विक स्तर पर यह उम्मीद की जा रही है कि अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध को खत्म करने के लिए फिर से बातचीत आगे बढ़े।अफसोस की बात यह है कि एक ओर अमेरिकी नौसेना की ओर से ईरानी जहाज जब्त करने से लेकर युद्धविराम खत्म होने के बाद ईरान पर हेरो बम गिराने के ट्रंप की धमकी सामने आ रही है, तो दूसरी ओर अमेरिकी हरकतों को युद्धविराम का उल्लंघन बताते हुए ईरान ने भी वार्ता के अगले दौर में हिस्सा लेने को लेकर अनिच्छा जाहिर की है। सवाल यह है कि युद्धविराम पर सहमत होने के बावजूद अमेरिका की ओर से ऐसे आक्रामक बयान क्यों जारी किए जा रहे हैं और कूटनीतिक स्तर पर बातचीत को आगे बढ़ाने के प्रति गंभीरता क्यों नहीं दिखाई जा रही है।इस तरह के तीखे तेवरों का हासिल यह सामने आ रहा है कि रविवार को भी कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में भारी उछाल दर्ज किया गया। इसके अलावा भी ईरान सहित खाड़ी देशों के तेल ठिकानों पर जिस पैमाने के हमले हुए हैं, उनका असर वैश्विक तेल कीमतों पर पड़ना तय है। इससे ज्यादा जरूरी यह है कि इस सबका वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दीर्घकालिक असर पड़ेगा, जिससे उबरना सभी देशों के लिए चुनौती साबित हो सकता है। एक तरह से स्पष्ट और दूरगामी विपरीत प्रभाव की आशंका के बावजूद युद्ध की स्थिति को बनाए रखने का क्या औचित्य है?

सियासत में उलझी महिला भागीदारी, भंवर में 'नारी शक्ति'

भारतीय स्त्री का बिंब जो जीवन के यथार्थ से लेकर साहित्य में चित्रित होता रहा है, उसमें शक्ति के पूजन से लेकर मुक्तिवाहिनी तक की तस्वीर उभरती है। बदलते भारत में महिला, उसकी योग्यता और शक्ति एक बिल्कुल अलग वजूद रखती है, मगर उसे पुरुष वर्चस्ववादी समाज में आज भी समान अधिकार के साथ जगह नहीं मिल पाई है। महिलाओं ने जीवन के हर क्षेत्र में अपने आप को सिद्ध किया है, फिर भी पूर्वाग्रह से ग्रसित दृष्टि उन्हें पुरुषों के बराबर खड़ा होने में कई तरह की रुकावटें पैदा करती है। महिलाओं के अपहरण, बलात्कार और घरेलू हिंसा की घटनाएं आए दिन सामने आती रहती हैं।

(सुरेश सेठ)

यह भारतीय राजनीतिक की एक अजब विसंगति रही है कि स्थानीय निकायों के चुनावों में तो महिलाओं को आरक्षण का अधिकार वर्षों पहले मिल गया था, लेकिन संसद और विधानसभाओं में उनका यह हक आज भी सियासत के दांवपेच में फंसा हुआ है, जिस कारण देश की राजनीति में महिलाओं को उचित प्रतिनिधित्व नहीं मिल पा रहा है।

भारतीय स्त्री का बिंब जो जीवन के यथार्थ से लेकर साहित्य में चित्रित होता रहा है, उसमें शक्ति के पूजन से लेकर मुक्तिवाहिनी तक की तस्वीर उभरती है। बदलते भारत में महिला, उसकी योग्यता और शक्ति एक बिल्कुल अलग वजूद रखती है, मगर उसे पुरुष वर्चस्ववादी समाज में आज भी समान अधिकार के साथ जगह नहीं मिल पाई है। महिलाओं ने जीवन के हर क्षेत्र में अपने आप को सिद्ध किया है, फिर भी पूर्वाग्रह से ग्रसित दृष्टि उन्हें पुरुषों के बराबर खड़ा होने में कई तरह की रुकावटें पैदा करती है। महिलाओं के अपहरण, बलात्कार और घरेलू हिंसा की घटनाएं आए दिन सामने आती रहती हैं।

विभिन्न सर्वेक्षणों से पता चलता है कि अस्पतालों एवं स्वास्थ्य केंद्रों से गायब होने वाले बच्चों में लड़कों के बजाय लड़कियों की संख्या अधिक है, क्योंकि बाद में उन्हें देह व्यापार में धकेल दिया जाता है। देश में हाल के वर्षों में स्त्री को उसका हक देने की बातें विभिन्न स्तरों पर जोर-शोर से की जा रही हैं। कहा जाता है कि महिलाओं ने शिक्षा के क्षेत्र से लेकर खेल के मैदान और प्रशासनिक व्यवस्था में अपनी योग्यता का लोहा मनवाया है, इसके बावजूद अधिकारों के मामले में ये आज भी पिछड़ी हुई हैं। प्रशस्ति और उपेक्षा का यह एक अजब संगम कई सवाल खड़े करता है।

हाल ही में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026 को पारित करने के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाया गया। इस विधेयक में विधायिका में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण और परिसीमन के जरिए लोकसभा में सदस्यों की संख्या बढ़ाने का प्रावधान किया गया है। मगर इस विधेयक को सदन का जरूरी दो तिहाई बहुमत नहीं मिल पाने से यह पारित नहीं हो पाया। इसके लिए अब सत्तापक्ष और विपक्ष एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं, लेकिन असल में हुआ वही, जो पहले से होता आया है।

महिलाओं को विधायिका में आरक्षण से संबंधित नारी शक्ति वंदन अधिनियम वर्ष 2023 में संसद में पारित किया गया था, तब से लेकर यह लागू होने की बाट

जोह रहा था। यानी राजनीति में महिलाओं को उचित भागीदारी देने का अधिकार खुद सियासत में ही उलझकर रह गया है। जब संसद में पहली बार यह विधेयक पेश किया गया था, तो इसे एक ऐसा असाधारण और प्रगतिशील कदम माना जा रहा था, जिसके जरिए सदियों से की जा रही महिलाओं की उपेक्षा को खत्म करने की राह खुल जाती। हालांकि तब यह विधेयक संसद में पारित भी हो गया, लेकिन अब करीब तीन वर्ष बाद इसे संशोधित रूप में पेश किया गया, जिसका हासिल शून्य रहा।

सत्तापक्ष की ओर से कहा जा रहा है कि अगर नई जनगणना के आंकड़ों के आधार पर परिसीमन आयोग की रपट का इंतजार किया जाता, तो वर्ष 2029 में अगले लोकसभा चुनाव में महिलाओं के लिए तैंतीस फीसदी आरक्षण का प्रावधान लागू कर पाना संभव नहीं था, इसलिए सरकार की ओर से संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026 लाया गया। मगर विपक्ष के अपने सवाल और आपत्तियां हैं, जिन पर आगे भी बहस जारी रहेगी। लेकिन असल मुद्दा यह है कि वर्तमान में देश के कुल मतदाताओं में महिलाओं की हिस्सेदारी लगभग आधी है और इस लिहाज से जब तक विधायिका में उनकी भागीदारी नहीं बढ़ाई जाती है, तब तक राष्ट्र के समावेशी विकास का संकल्प भी अधूरा ही रहेगा।

यह भारतीय राजनीतिक की एक अजब विसंगति रही है कि स्थानीय निकायों के चुनावों में तो महिलाओं को आरक्षण का अधिकार वर्षों पहले मिल गया था, लेकिन संसद और विधानसभाओं में उनका यह हक आज भी सियासत के दांवपेच में फंसा हुआ है, जिस कारण देश की राजनीति में महिलाओं को उचित प्रतिनिधित्व नहीं मिल पा रहा है।

यह सवाल भी महत्वपूर्ण है कि क्या महिलाओं के लिए सिर्फ विधायिका और स्थानीय निकायों में आरक्षण का प्रावधान किए जाने से राष्ट्र के निर्माण में उनकी समान भागीदारी सुनिश्चित हो पाएगी? क्या शिक्षा एवं स्वास्थ्य से लेकर प्रशासनिक ढांचे तक में महिलाओं के लिए पर्याप्त अवसर सृजित किए जाने की जरूरत नहीं है? उच्च शिक्षा के मामले में पुरुषों के मुकाबले महिलाओं की औसत दर आज भी बहुत कम है। इसी तरह सरकारी महकमों में भी महिला कर्मियों की संख्या पुरुषों की तुलना में बेहद कम है। विभिन्न सर्वेक्षणों और अध्ययनों से पता चलता है कि महिलाओं के काम करने के अवसरों में अपेक्षाकृत वृद्धि नहीं हुई है। कोरोनाकाल के दौरान नौकरी छिन जाने पर शहरों से गांवों की ओर लौटे पुरुषों को तो पुनः नौकरियां देने का अभियान चलाया गया, लेकिन महिलाएं इस मामले में भी पीछे रह गईं।

यह भी सच है कि घर के कामकाज से लेकर खेती में अहम भूमिका निभाने वाली महिलाओं के श्रम की कहीं गिनती ही नहीं हो पाती है। शहरों में लघु एवं कुटीर उद्योगों से लेकर बड़े उद्योगों में काम करने वाली महिलाओं को आज भी पुरुषों के मुकाबले कम वेतन मिलता है और उन्हें अहम जिम्मेदारियों का काम देने से भी परहेज किया जाता है। इस तरह के पक्षपात को क्या महिलाओं के लिए अवसर के रूप में देखा जा सकता है। यहां तक कि सेना में भी नारी शक्ति को कम करके आंका जाता रहा है और उनके लिए स्थायी कमीशन से लेकर पदोन्नति के रास्ते भी अब जाकर खुले हैं। नारी शक्ति अगर यह मांग करती है कि युद्ध के अग्रिम दस्तों में उनके बल का इस्तेमाल भी उसी तरह होना चाहिए, जैसे पुरुषों का होता है, तो इसे सकारात्मक दृष्टिकोण से देखा जाना चाहिए।

हालांकि, इसमें दोराय नहीं कि अगर स्थानीय निकायों की तर्ज पर विधायिका में भी महिलाओं को तैंतीस फीसदी आरक्षण की व्यवस्था लागू हो जाती है, तो यह महिला समाज को उचित प्रतिनिधित्व देने की दिशा में एक बड़ा कदम होगा। मगर, यह तभी संभव होगा, जब सभी दल अपनी राजनीतिक विचारधारा से ऊपर उठकर समाज के समावेशी उत्थान के लिए काम करेंगे। इससे महिलाओं में न केवल बढ़चढ़ कर मतदान करने का उत्साह पैदा होगा, बल्कि देश की विधानसभाओं और संसद में भी ये अपनी योग्यता और कौशल का योगदान दे सकेंगी।

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में देखें तो, राज्य या केंद्रीय मंत्रिमंडल में महिलाओं की भागीदारी नाममात्र की है। मगर, जब महिलाएं अपने लिए आरक्षित सीटों पर चयनित होकर आगे आएंगी, तो अवश्य ही देश की राजनीति का चेहरा बदलेगा। अभी महिलाओं से जुड़े कई ऐसे मसले हैं, जिन्हें संसद और विधानसभाओं में आवाज ही नहीं मिल पाती है, और अगर कोई मसला उठाया भी जाता है, तो महिला प्रतिनिधियों की संख्या कम होने की वजह से वह शोर-शराबे में दब जाता है। इसलिए जरूरी है कि राजनीति के साथ-साथ राष्ट्र निर्माण के अन्य कार्यों में भी महिलाओं की उचित भागीदारी को प्राथमिकता दी जाए, ताकि उन्हें ये अधिकार मिल सकें, जिसकी वे हकदार हैं। सिर्फ घोषणाओं और नारों से महिला सशक्तीकरण नहीं होगा, बल्कि जमीनी स्तर पर बदलाव लाने के लिए उन्हें पूरी तरह लागू करने की हर मोर्चे पर इच्छाशक्ति दिखानी होगी।

संस्कृत को लोकप्रिय बनाने हेतु संघ प्रमुख के महत्वपूर्ण सुझाव

कृष्णमोहन झा/

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने अक्षय तृतीया के शुभ मुहूर्त पर नई दिल्ली में संघ के आनुषंगिक संगठन संस्कृत भारती के भव्य कार्यालय प्रणव के लोकार्पण समारोह में दिए गए सारगर्भित उद्‌बोधन में संस्कृत भाषा के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए उसे लोकप्रिय भाषा बनाने के लिए जो सुझाव दिए हैं उन पर न केवल व्यापक विमर्श होना चाहिए बल्कि उन पर अमल की दिशा में गंभीर प्रयास किये जाना चाहिए। संघ प्रमुख ने अक्षय तृतीया की पावन तिथि पर प्रणव के लोकार्पण को शुभ संकेत निरूपित करते हुए कहा कि प्रणव सृष्टि के मूल नाद का प्रतीक है और इस नाम से शुरू हुए इस अभियान की सफलता सुनिश्चित है।संघ प्रमुख ने संस्कृत भाषा को भारत का प्राण बताते हुए कहा कि यह केवल एक भाषा नहीं अपितु भारत का प्राण है। भारत को समझने के लिए संस्कृत को समझना अनिवार्य है क्योंकि इसी में हमारी ज्ञान परंपरा, दर्शन और जीवन मूल्य निहित हैं। यह हमारे विचारों, संस्कृति और ज्ञान का वह सार है जिसे पूरी दुनिया को देने की आवश्यकता है।

संघ प्रमुख ने कहा कि संस्कृत सभी भारतीय भाषाओं को जोड़ने वाली वह कड़ी है जिसके माध्यम से अन्य भाषाओं को भी सहजता से सीखा जा सकता है।संस्कृत में निहित ज्ञान विज्ञान का व्यापक भंडार संपूर्ण मानवता के लिए उपयोगी है। किसी भी कार्य में केवल रुचि नहीं अपितु उसके उद्देश्य की स्पष्ट समझ, धैर्य और निरंतरता आवश्यक है। संस्कृत को लोकप्रिय बनाने के लिए वैसे ही धैर्य और निरंतरता पर बल देते हुए मोहन भागवत ने कहा कि संस्कृत भाषा को दैनिक बोलचाल का माध्यम बना कर आसानी से सीखा जा सकता है। संस्कृत संभाषण शिविर इस दिशा में बहुत उपयोगी सिद्ध हो सकते हैं और इन के माध्यम से अल्प समय में संस्कृत का ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है। संस्कृत को उसका प्राचीन गौरव दिलाने के लिए इसे लोकभाषा बनाने की आवश्यकता है। संस्कृत भारती का कार्य सभी भाषाओं को साथ लेकर चलने का है। संस्कृत के माध्यम से अन्य भारतीय भाषाएँ और समृद्ध होंगी और समाज में सांस्कृतिक एकात्मता का भाव विकसित होगा।

इस अवसर पर अपने बधाई संदेश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर प्रणव कार्यालय का लोकार्पण अत्यंत हर्ष का विषय है। प्रणव कार्यालय की स्थापना को भारतीय ज्ञान परंपरा ,संस्कृति और आध्यात्मिक चेतना के पुनर्जागरण की दिशा में प्रेरणा कदम बताते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि संस्कृत हमारी प्राचीन और समृद्ध विरासत की संवाहिका है जिसमें निहित ज्ञान विज्ञान और दर्शन मानवता की अमूल्य धरोहर हैं। नयी शिक्षा नीति में भारतीय भाषा और ज्ञान परंपरा को विशेष महत्व दिया गया है जिससे संस्कृत के संरक्षण और संवर्धन को नयी दिशा मिली है।संस्कृत न केवल अतीत की बल्कि वर्तमान और भविष्य की भी सशक्त भाषा है और इस दिशा में प्रणव कार्यालय महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा।

संस्कृत भारती कार्यालय प्रणव के लोकार्पण समारोह में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य सुरेश सोनी, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, पूर्व केंद्रीय मंत्री मुरली मनोहर जोशी सहित अनेक विद्वानों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही ।

ज्ञातव्य है कि संस्कृत भारती की स्थापना 1981 में संस्कृत को लोकप्रिय बनाने के उद्देश्य से कुछ छात्रों ने मिलकर की थी। उनके इस प्रयास ने आगे चलकर व्यापक संस्कृत आंदोलन का रूप ले लिया। आज यह आंदोलन 28 देशों और भारत के 660 जिलों में फैल चुका है। 50000 वर्गफुट क्षेत्र में फैले संस्कृत भारती के परिसर में प्राचीन परंपरा और आधुनिक सुविधाओं के दर्शन एक साथ किए जा सकते हैं। संस्कृत भारती का लक्ष्य देश की 10 प्रतिशत आबादी तक संस्कृत पहुँचाने और 12 भाषाओं के माध्यम से शिक्षण कार्य को गति प्रदान करना है। संस्कृत भारती में वास्तु , शिल्प, वनस्पति और धर्म शास्त्र के विद्वान मार्ग दर्शन के लिए उपलब्ध रहेंगे।9कृष्णमोहन झा(लेखक राजनैतिक विश्लेषक है)

कृत्रिम बुद्धिमत्ता- सुविधा का वरदान या मूल्यों का संकट

मानव सभ्यता के विकास का इतिहास यदि देखा जाए तो यह स्पष्ट होता है कि हर नई तकनीक अपने साथ संभावनाओं और संकटों का एक द्वंद्व लेकर आती है। आज का समय भी इसी द्वंद्व से गुजर रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के रूप में विकसित हो रही नवीन तकनीक ने जीवन को सरल, तीव्र और सुविधाजनक बनाया है, किंतु इसके साथ ही यह मानवीय मूल्यों, नैतिकता और सामाजिक संतुलन के लिए एक गंभीर चुनौती भी बनकर उभर रही है। समाज के चिंतकों, दार्शनिकों और आध्यात्मिक नेतृत्व ने समय-समय पर इस विषय पर चिंता व्यक्त की है और हाल ही में पोप लियो 14 द्वारा व्यक्त आशंकाओं ने इस चिंता को वैश्विक विमर्श का केंद्र बना दिया है।

(ललित गर्ग)

पर्यावरणीय दृष्टि से भी यह तकनीक पूरी तरह निर्दोष नहीं है। विशाल आंकड़ा केंद्रों की स्थापना, ऊर्जा की अत्यधिक खपत, तथा खनिज संसाधनों का दोहन-ये सभी प्रकृति पर अतिरिक्त दबाव डालते हैं। कोबाल्ट और लिथियम जैसे खनिजों की बढ़ती मांग पर्यावरणीय असंतुलन और मानवीय शोषण दोनों को जन्म देती है।

मानव सभ्यता के विकास का इतिहास यदि देखा जाए तो यह स्पष्ट होता है कि हर नई तकनीक अपने साथ संभावनाओं और संकटों का एक द्वंद्व लेकर आती है। आज का समय भी इसी द्वंद्व से गुजर रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के रूप में विकसित हो रही नवीन तकनीक ने जीवन को सरल, तीव्र और सुविधाजनक बनाया है, किंतु इसके साथ ही यह मानवीय मूल्यों, नैतिकता और सामाजिक संतुलन के लिए एक गंभीर चुनौती भी बनकर उभर रही है। समाज के चिंतकों, दार्शनिकों और आध्यात्मिक नेतृत्व ने समय-समय पर इस विषय पर चिंता व्यक्त की है और हाल ही में पोप लियो 14 द्वारा व्यक्त आशंकाओं ने इस चिंता को वैश्विक विमर्श का केंद्र बना दिया है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि यदि इस तकनीक का उपयोग नैतिक मर्यादाओं से परे जाकर किया गया, तो यह विश्व में विभाजन, भय, हिंसा और संघर्ष को बढ़ावा दे सकती है। यह चेतावनी केवल एक धार्मिक नेता की भावनात्मक प्रतिक्रिया नहीं है, बल्कि यह उस गहरी चिंता का संकेत है जो आज पूरी मानवता के भीतर कहीं न कहीं विद्यमान है। तकनीक अपने आप में न तो नैतिक होती है और न ही अनैतिक, किंतु उसका उपयोग उसे किसी भी दिशा में ले जा सकता है।

वर्तमान समय में यह देखा जा रहा है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग केवल रचनात्मक और सकारात्मक कार्यों तक सीमित नहीं रह गया है। इसके माध्यम से झूठी सूचनाओं का निर्माण, नकली चित्रों और ध्वनियों का सृजन तथा जनमत को प्रभावित करने के प्रयास तेजी से बढ़े हैं। चुनावी प्रक्रियाओं में इसका उपयोग लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर कर सकता है। जब कोई मतदाता यह समझ ही नहीं पाता कि जो वह देख रहा है या सुन रहा है वह सत्य है या निर्मित भ्रम, तब उसकी निर्णय क्षमता प्रभावित होती है। यह स्थिति लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति विश्वास को कमजोर करती है। आज सोशल माध्यमों पर ऐसी अनेक घटनाएँ सामने आती हैं, जहाँ किसी व्यक्ति को नरेंद्र मोदी जैसे बड़े नेताओं के साथ दिखाया जाता है, जबकि वास्तविकता में ऐसा कभी हुआ ही नहीं होता। यह केवल व्यक्तिगत भ्रम नहीं, बल्कि सामाजिक स्तर पर विश्वास की संरचना को कमजोर करने वाला प्रवाह है। जब झूठ और सत्य के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है, तब समाज में संशय, अविश्वास और अस्थिरता का वातावरण बनता है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का एक और चिंताजनक पक्ष है साइबर अपराधों में इसका बढ़ता उपयोग। आज अपराधी किसी व्यक्ति की आवाज की नकल करके उसके परिचितों को धोखा देने में सक्षम हो गए हैं। परिवार के सदस्य या अधिकारी बनकर धन की ठगी करना अब अत्यंत सरल हो गया है। इस प्रकार की घटनाओं ने अनेक लोगों की जीवन भर की कमाई को पल भर में समाप्त कर दिया है। यह केवल आर्थिक क्षति नहीं, बल्कि विश्वास और सुरक्षा की भावना पर गहरा आघात है। वित्तीय क्षेत्र में भी इस तकनीक का दुरुपयोग गंभीर संकट उत्पन्न कर सकता है। स्वचालित हमलों के माध्यम से बैंकिंग व्यवस्था की कमजोरियों का लाभ उठाया जा सकता है। यदि इस प्रकार के हमले व्यापक स्तर पर होते हैं, तो यह केवल व्यक्तिगत हानि तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि राष्ट्रीय और वैश्विक अर्थव्यवस्था को भी अस्थिर कर सकते हैं। यह स्थिति उस समय और भी गंभीर हो जाती है जब नियामक संस्थाएँ इन जटिल तकनीकों की गति और स्वरूप को समझने में पीछे रह जाती हैं।

पर्यावरणीय दृष्टि से भी यह तकनीक पूरी तरह निर्दोष नहीं है। विशाल आंकड़ा केंद्रों की स्थापना, ऊर्जा की अत्यधिक खपत, तथा खनिज संसाधनों का दोहन-ये सभी प्रकृति पर अतिरिक्त दबाव डालते हैं। कोबाल्ट और लिथियम जैसे खनिजों की बढ़ती मांग पर्यावरणीय असंतुलन और मानवीय शोषण दोनों को जन्म देती है। इस प्रकार यह तकनीक केवल सामाजिक या नैतिक ही नहीं, बल्कि पर्यावरणीय चुनौती भी बन रही है। इन सभी चिंताओं के बीच यह समझना आवश्यक है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता को नकारा नहीं जा सकता। यह आधुनिक जीवन का अभिन्न अंग बन चुकी है और चिकित्सा, शिक्षा, आपदा प्रबंधन तथा उत्पादन के क्षेत्र में इसके योगदान को अनदेखा नहीं किया जा सकता। समस्या तकनीक में नहीं, बल्कि उसके उपयोग के स्वरूप में है। यदि इसे मानवीय मूल्यों, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ जोड़ा जाए, तो यह एक वरदान सिद्ध हो सकती है।

इसके लिए सबसे पहले आवश्यक है कि इसके विकास और उपयोग के लिए स्पष्ट और सशक्त नियम बनाए जाएं। सरकारों और संस्थाओं को यह सुनिश्चित करना होगा कि इस तकनीक का उपयोग पारदर्शी, सुरक्षित और उत्तरदायी तरीके से हो। कंपनियों को अपने तंत्र में ऐसी व्यवस्थाएँ विकसित करनी चाहिए, जिससे किसी भी प्रकार की भ्रामक सामग्री की पहचान और नियंत्रण संभव हो सके। साथ ही नागरिकों की जागरूकता भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। डिजिटल साक्षरता के बिना कोई भी समाज इस चुनौती का सामना नहीं कर सकता। लोगों को यह समझना होगा कि जो कुछ वे देख या सुन रहे हैं, वह हमेशा सत्य नहीं हो सकता। सत्यापन की प्रवृत्ति को विकसित करना समय की आवश्यकता है। नैतिकता के स्तर पर यह भी आवश्यक है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रशिक्षण के लिए उपयोग किए जाने वाले आंकड़े निष्पक्ष और उच्च गुणवत्ता वाले हों। यदि आधार ही पक्षपाती होगा, तो परिणाम भी पक्षपाती होंगे। इससे सामाजिक असमानता और भेदभाव को बढ़ावा मिल सकता है। इसलिए निष्पक्षता, पारदर्शिता, गोपनीयता और उत्तरदायित्व जैसे सिद्धांतों को इसके विकास का आधार बनाना होगा।

सांस्कृतिक दृष्टि से भी यह ध्यान रखना आवश्यक है कि तकनीकी विकास हमारी परंपराओं और मूल्यों के साथ संतुलन बनाए रखे। हमारी सांस्कृतिक धरोहर का डिजिटलीकरण और संरक्षण इस दिशा में एक सकारात्मक कदम हो सकता है, किंतु यह भी सुनिश्चित करना होगा कि इसका उपयोग सम्मानपूर्वक और संवेदनशीलता के साथ किया जाए। साररूप में यह कहा जा सकता है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता एक शक्तिशाली साधन है, जो मानव जीवन को नई दिशा दे सकता है। किंतु यदि इसे नैतिकता से अलग कर दिया जाए, तो यह उसी गति से विनाश का कारण भी बन सकता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम तकनीक के विकास के साथ-साथ अपने नैतिक मूल्यों को भी सुदृढ़ करें। विज्ञान और मानवीय संवेदना के बीच संतुलन ही वह मार्ग है, जो हमें सुरक्षित और समृद्ध भविष्य की ओर ले जा सकता है। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

केशकाल में जिला यूनियन स्तरीय तेंदूपत्ता संग्रहण कार्यशाला का हुआ आयोजन

कोंडागांव। वन मंडल केशकाल प्रांगण में जिला यूनियन स्तरीय तेंदूपत्ता संग्रहण कार्यशाला 2026 का सफल आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य तेंदूपत्ता संग्रहण कार्य को सुव्यवस्थित, गुणवत्तापूर्ण एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप सुनिश्चित करना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लक्ष्मण सिंह (भारतीय वन सेवा), वन संरक्षक कैम्पा रायपुर रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता दिव्या गौतम, प्रबंध संचालक एवं वन मंडल अधिकारी, वन मंडल केशकाल ने की। इस अवसर पर नंदकुमार सिंहा, उप प्रबंध संचालक केशकाल एवं सुषमा जे. नेताम, उप वनमंडलाधिकारी केशकाल विशेष रूप से उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के दौरान तेंदूपत्ता संग्रहण एवं क्रय प्रक्रिया में गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों ने निर्देश दिए कि केवल उच्च गुणवत्ता एवं मानक अनुरूप तेंदूपत्तों की ही खरीदी की जाए। दागयुक्त, टूटे-फूटे, अत्यधिक मोटे अथवा अनुपयुक्त पत्तों को खरीद से बाहर रखने के स्पष्ट निर्देश दिए गए। साथ ही, मानक बोरा के अनुरूप ही संग्रहण एवं संकलन सुनिश्चित करने पर बल दिया गया। इसके अतिरिक्त, फड़ों के समुचित रख-रखाव, नियमित निगरानी एवं सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के निर्देश दिए गए। संग्रहित तेंदूपत्तों को परिवहन तक सुरक्षित रखने तथा किसी भी प्रकार की क्षति से बचाने हेतु आवश्यक सावधानियां बरतने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम के अंत में अधिकारियों ने सभी संबंधित कर्मचारियों को शासन के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए तेंदूपत्ता संग्रहण कार्य को पारदर्शिता, गुणवत्ता एवं जिम्मेदारी के साथ संपादित करने के निर्देश दिए, ताकि वन विभाग की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके। कार्यशाला में वन मंडल केशकाल अंतर्गत सभी परिक्षेत्र अधिकारी (केशकाल, फरसगांव, बड़ेडोंगर, बड़ेराजपुर), पोषक अधिकारी, प्रबंधक, फड़ अभिरक्षक तथा बड़ी संख्या में संबंधित कर्मचारी उपस्थित रहे।

केशकाल में संपत्ति कर समय पर भुगतान नहीं करने पर लगेगा 6.25% ब्याज- सीएमओ

केशकाल। नगर पंचायत केशकाल द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए संपत्तिकर को लेकर एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है, जिससे नगर क्षेत्र के सभी मकान मालिकों पर सीधा असर पड़ेगा। नगर पंचायत के मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) नामेश कावड़े ने मंगलवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर यह जानकारी दी। जारी आदेश के अनुसार, छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग, नवा रायपुर के निर्देशों के तहत नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 126, 127 एवं 127(क) के अंतर्गत नगर क्षेत्र के सभी मकानों का वार्षिक किराया मूल्य (Annual Rental Value) के आधार पर स्वनिर्धारण किया गया है। इस नए निर्धारण के चलते संपत्तिकर में वृद्धि होना तय माना जा रहा है।सीएमओ ने बताया कि नगर पंचायत क्षेत्र के सभी संपत्तिकरदाताओं के लिए नया कर निर्धारण लागू कर दिया गया है। संबंधित नागरिक अपने संपत्ति कर का पूरा विवरण नगर पंचायत के राजस्व शाखा में कार्यालयीन समय के दौरान जाकर देख सकते हैं। नगर पंचायत प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे निर्धारित समय सीमा के भीतर अपने संपत्तिकर का भुगतान अनिवार्य रूप से करें। समय सीमा के बाद भुगतान करने पर 6.25 प्रतिशत की दर से ब्याज वसूला जाएगा, जिससे करदाताओं पर अतिरिक्त आर्थिक भार पड़ सकता है। बहरहाल नगर पंचायत का यह कदम जहां एक ओर राजस्व बढ़ाने की दिशा में अहम माना जा रहा है, वहीं दूसरी ओर बढ़े हुए कर को लेकर आम नागरिकों में हलचल भी देखी जा रही है। अब देखना यह होगा कि नगरवासी इस नए कर निर्धारण को किस तरह स्वीकार करते हैं और समय पर भुगतान को लेकर कितनी गंभीरता दिखाते हैं।

प्रकृति की गोद में सजी ग्राम सभाएं, महिलाओं और बच्चों के अधिकारों पर जोर

बीजापुर। 24 अप्रैल को आयोजित विशेष ग्राम सभा में ग्रामीण अंचलों में जागरूकता और जनभागीदारी का सशक्त उदाहरण उस समय देखने को मिला, जब ग्राम पंचायत कढेर मे खुले प्राकृतिक वातावरण में ग्राम सभा का आयोजन किया गया। पेड़ों की छांव में आयोजित इस सभा में महिला एवं बाल विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों को दी गई। सभा के दौरान महिलाओं को सखी वन स्टॉप सेंटर में मिलने वाली सुविधाओं, संकट की स्थिति में सहायता हेतु महिला हेल्पलाइन 181 की जानकारी विस्तार से प्रदान की गई। उपस्थित ग्रामीणों को बताया गया कि विपरीत परिस्थितियों में ये सेवाएं उनके लिए कैसे सहारा बन सकती हैं। वहीं, ग्राम पंचायत चिन्नाकवालो में भी ग्राम सभा का आयोजन किया गया, जिसमें सरपंच, सचिव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। इस अवसर पर बाल विवाह मुक्त अभियान, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, घरेलू हिंसा से संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। ग्रामीणों को महिला हेल्पलाइन 181 एवं चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 के उपयोग और महत्व के बारे में जागरूक किया गया। साथ ही सखी केंद्र में उपलब्ध सहायता सेवाओं की जानकारी देते हुए महिलाओं और बच्चों को अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने का संदेश दिया गया।

सही दवा शुद्ध आहार-यही छत्तीसगढ़ का आधार थीम पर खाद्य सामग्रियों की सघन जांच अभियान

कोण्डागांव। छत्तीसगढ़ शासन एवं नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन छ.ग. के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना के मार्गदर्शन में जिले में सही दवा शुद्ध आहार- यही छत्तीसगढ़ का आधार के थीम के अंतर्गत खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के द्वारा 27 अप्रैल से 11 मई 2026 तक 15 दिवसीय सघन जांच अभियान संचालित किया जा रहा है। जिसका उद्देश्य प्रदेश के नागरिकों को सुरक्षित एवं गुणवत्तायुक्त खाद्य एवं औषधि उपलब्ध कराना है। अभियान के सुचारू रूप से संचालन के लिये कलेक्टर द्वारा खाद्य एवं औषधि प्रशासन, राजस्व एवं पुलिस विभाग के संयुक्त दल का गठन किया गया है। इसी क्रम में औषधि जांच दल के द्वारा 27 अप्रैल 2026 को 06 कॉस्मेटिक दुकानों का औचक निरीक्षण किया गया, सभी दुकान के संचालकों को क्रय विक्रय दस्तावेजों के संधारण, एक्सपायर्ड कॉस्मेटिक्स का पृथक संधारण, प्रोडक्ट में बैच न. सहित अन्य जानकारी युक्त जांच कर क्रय करने संबंधी निर्देश दिये गये। माड्रिसा एजेंसी, विकासनगर से एक कॉस्मेटिक का सैंपल जांच हेतु राज्य के परीक्षण प्रयोगशाला में भेजा गया तथा खाद्य जांच दल द्वारा विभिन्न गुपचुप ठेला, मोमो सेंटर, चाट कॉर्नर एवं डोसा सेंटर का निरीक्षण किया गया।

केशकाल वन विभाग की बड़ी कार्रवाई : अवैध निर्माणाधीन मकान पर चलाया बुलडोजर

केशकाल। वन मंडल केशकाल में अवैध अतिक्रमण के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए वन विभाग ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। मंगलवार 28 अप्रैल 2026 को परिक्षेत्र बड़ेराजपुर अंतर्गत गोविंदपुर परिसर के कक्ष क्रमांक RF 1355 (चनाभरी कोसमी) में अवैध रूप से किए जा रहे निर्माण को मौके पर ही ध्वस्त कर दिया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम चनाभरी कोसमी निवासी रघुनाथ (पिता चैतु, जाति कमार) द्वारा वन भूमि पर अवैध कब्जा कर मकान निर्माण किया जा रहा था। जैसे ही इसकी सूचना वन विभाग को मिली, तत्काल टीम सक्रिय हुई और मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की गई।

यह पूरी कार्रवाई वनमंडलाधिकारी दिव्या गौतम और उप वनमंडलाधिकारी सुषमा जे. नेताम के मार्गदर्शन में की गई। मौके पर पहुंची टीम ने निर्माणाधीन मकान को तोड़ते हुए आरोपी को वन भूमि से बेदखल कर दिया और उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई शुरू कर दी गई है। वन विभाग की इस सख्त कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। अधिकारियों ने साफ संदेश दिया है कि वन भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और भविष्य में भी इस तरह की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। कार्रवाई के दौरान परिक्षेत्र अधिकारी मिर्जा फिरोज बेग, उड़नदस्ता प्रभारी सेवक राम ठाकुर, तहसीलदार फगेश्वर सोम और थाना प्रभारी विश्रामपुरी शंकरलाल ध्रुव सहित वन, राजस्व और पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

प्रेम जाल में फंसाकर पीड़िता का वीडियो बनाकर वायरल करने वाले आरोपी को बाराद्वार पुलिस ने किया गिरफ्तार

सक्ती। अपराध क्रमांक 57/26 धारा 79 बीएनएस 67ए आई टी एक्ट के तहत पीड़िता का विडियो बनाकर सोशल मिडिया में वायरल करने वाले आरोपी को मध्यप्रदेश से गिरफ्तार कर भेजा गया जेल।आरोपी - सतीश पुरी उर्फ भुरा पिता नक्टुपुरी उम्र 30 साल निवासी गिरवानी थाना गोवर्धन जिला शिवपुरी (मप्र) है।थाना बाराद्वार के अंतर्गत मामले का विवरण इस प्रकार है कि पीड़िता को आरोपी सतीशपुरी उर्फ भुरा के द्वारा अपने प्रेम जाल में फंसाकर फोटो वीडियो बनाकर सोशल मिडिया अपलोड करने संबंधी प्रार्थीया कि रिपोर्ट पर अपराध कायम कर विवेचना मे लिया गया। घटना के संबंध में पुलिस अधीक्षक महोदय प्रफुल्ल कुमार ठाकुर (भापुसे), अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय पंकज पटेल (रा.पु.से), अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) सक्ती डॉ. भुवनेश्वरी पैकरा (रा.पु.से,) के आवश्यक दिशा निर्देश पर आरोपी सतीशपुरी उर्फ भुरा पिता नक्टुपुरी उम्र 30 साल निवासी गिरवानी थाना गोवर्धन जिला शिवपुरी (मप्र) को मध्यप्रदेश जिला शिवपुरी को हिरासत मे लेकर गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर संबंधित न्यायालय पेश कर जेल भेजा गया है।

महिला जागृति शाखा ने अस्पताल में किया सीजनेबल फलों का वितरण

सक्ती। मारवाड़ी युवा मंच महिला जागृति शाखा शक्ति ने 28 अप्रैल को शक्ति के जिला सरकारी अस्पताल में वर्तमान में पड़ रही प्रचंड गर्मी को देखते हुए सीजनेबल फलों का वितरण किया। इस दौरान मरीजों एवं उनके परिजनों तथा अस्पताल प्रबंधन के भी सभी स्वास्थ्य कर्मचारियों को स्वयं जागृति शाखा के सदस्यों ने फल दिए तो वही ठंडा पानी भी पिलाया गया। तथा महिला जागृति शाखा के सदस्यों ने अस्पताल में भर्ती मरीजों का भी स्वास्थ्य हाल-चाल जन एवं उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के लिए कामना की एवं वहां की व्यवस्थाओं की भी जानकारी ली। इस दौरान महिला जागृति शाखा शक्ति की अध्यक्ष मीनल अग्रवाल। सचिव दीप्ति अग्रवाल।कोषाध्यक्ष शिल्पा कथूरिया एवं मीना दिलीप अग्रवाल सहित काफी संख्या में सदस्य मौजूद रहे।

मेहनत ने बदली तक़दीर, 10वीं में 96.2% लाकर सुकमा टॉपर बनी योहाना

कोंटा: कोंटा विकासखंड की छात्रा योहाना ने अपनी मेहनत और लगन से जिले का नाम रोशन कर दिया है। सीबीएसई कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा में डीएवी स्कूल कोंटा से पढ़ाई करते हुए उन्होंने 96.2% अंक हासिल कर सुकमा जिला टॉपर बनने का गौरव प्राप्त किया। सीमित संसाधनों और कठिन परिस्थितियों के बावजूद उनकी यह उपलब्धि पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय बन गई है। योहाना जिस क्षेत्र से आती हैं, वहां शैक्षणिक सुविधाएं अपेक्षाकृत कम हैं, फिर भी उन्होंने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर नया रिकॉर्ड कायम किया। खास बात यह है कि उनके माता-पिता सीआरपीएफ में सेवारत हैं, जहां ड्यूटी की व्यस्तता के बावजूद उन्होंने बेटी को हर संभव सहयोग और प्रेरणा दी। योहाना की यह सफलता सुरक्षा बलों से जुड़े परिवारों और विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक संदेश बनकर सामने आई है।

किरंदुल में एनएमडीसी की बस दुर्घटना, ड्राइवर की लापरवाही के कारण विशाल पेड़ से बस की टक्कर

किरंदुल। किरंदुल एनएमडीसी परियोजना की बस ने सोमवार रात इंडियन गैस गोदाम के पास विशाल पीपल के वृक्ष से टकराकर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। दुर्घटना में एक कर्मचारी के सिर में गंभीर चोट लगी,जबकि दो अन्य को मामूली चोटें आईं। सभी घायलों को एनएमडीसी परियोजना अस्पताल में भर्ती कराया गया,जहां उनका इलाज चल रहा है और हालत स्थिर बताई जा रही है। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया हादसा रात के वक्त हुआ, वरना यह और घातक साबित हो सकता था। वहीं ड्राइवर जोगा का मेडिकल रिपोर्ट के बाद ही खुलासा होगा की ड्राइवर नशे मे था या नहीं। प्रत्यक्षदर्शियों और बस में सवार कर्मचारियों के अनुसार, ड्राइवर जोगा ऐसा लग रहा था मानो शराब के नशे में हो और लापरवाही से बस चला रहा था।उसकी ड्राइविंग देखकर कुछ कर्मचारी तो एनएमडीसी चेक पोस्ट पर ही बस से उतर गए।बस दूसरी पाली के कर्मचारियों को माइनिंग क्षेत्र से किरंदुल लौटा रही थी और गांधीनगर की ओर जा रही थी। बस में उस वक्त 6-7 लोग सवार थे। सूत्रों के मुताबिक, जोगा ने बीते 15 दिनों में ही कई छोटी-बड़ी दुर्घटनाएं कर दी हैं।कल रात की घटना उसकी लापरवाही की एक और कड़ी साबित हुई। किरंदुल से माइनिंग तक का 9 किलोमीटर का रास्ता पूरी तरह घाटी वाला, खतरनाक मोड़ों से भरा हुआ है। अगर यह हादसा उन मोड़ों पर होता, तो बस में आमतौर पर सवार 20-25 कर्मचारियों की जान पर बन आ सकती थी।

किस्टाराम में अंतर्राज्यीय सागौन तस्करी का भंडफोड़

वन विभाग ने 7.50 लाख की लकड़ी की जब्ती, आरोपी फरार

कोंटा। उप वनमंडल क्षेत्र के अंतर्गत परिक्षेत्र किस्टाराम में वन विभाग और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में अंतर्राज्यीय सागौन तस्करी का बड़ा खुलासा हुआ है। मुखबिर से मिली सटीक सूचना के आधार पर सिंदूरगुड़ा पंचायत क्षेत्र में संचालित एक अवैध आरा मशीन पर छापा मारकर भारी मात्रा में सागौन लकड़ी जब्त की गई। मौके पर लकड़ी का अवैध चिरान और प्रसंस्करण किया जा रहा था। प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि इस अवैध कारोबार का मुख्य आरोपी तेलंगाना राज्य का निवासी है, जो लंबे समय से किस्टाराम क्षेत्र में सक्रिय रहकर सागौन की अवैध कटाई, चिरान और तस्करी में संलिप्त था। संयुक्त टीम के पहुंचने की भनक लगते ही आरोपी मौके से फरार हो गया। उसकी गिरफ्तारी के लिए सघन तलाश अभियान चलाया जा रहा है, साथ ही उसके नेटवर्क और अन्य संलिप्त व्यक्तियों की पहचान कर जांच को आगे बढ़ाया जा रहा है। डीएफओ अक्षय भोंसले ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्रवाई के दौरान करीब 6.239 घन मीटर सागौन लकड़ी जब्त की गई है, जिसकी अनुमानित बाजार कीमत लगभग 7.50 लाख रुपये आंकी गई है। जब्त सामग्री का पंचनामा तैयार कर वन अधिनियम के तहत वैधानिक कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है। इस अभियान का नेतृत्व एसडीओ अशोक भट्ट के मार्गदर्शन में किया गया, जिसमें किस्टाराम रेंजर ईश्वर बघेल, रेंजर लक्ष्मीनाथ नाग सहित किस्टाराम, कोंटा और गोलापल्ली परिक्षेत्र के वन अमले और पुलिस टीम की अहम भूमिका रही। कार्रवाई के दौरान टीम को स्थानीय स्तर पर विरोध और प्रतिरोध का सामना भी करना पड़ा, जिससे कुछ समय के लिए तनावपूर्ण स्थिति निर्मित हो गई थी। हालांकि, वन विभाग और पुलिस की संयमित और सतर्क कार्यवाही के चलते अभियान सफलतापूर्वक पूरा किया गया।

कन्हर का जलस्तर अंतिम पायदान पर, सूखती धारा में अवसर; मछुआरों की 'बल्ले-बल्ले'

बलरामपुर/ रामानुजगंज। जीवनदायिनी कन्हर नदी इन दिनों खुद अस्तित्व के संकट से जूझती नजर आ रही है। रामानुजगंज क्षेत्र में नदी का जलस्तर तेजी से गिरकर लगभग समाप्ति की स्थिति में पहुंच गया है। एनीकट में बचा पानी भी गेट से रिसते-रिसते खत्म होने की कगार पर है। यदि जल संसाधन विभाग ने समय रहते हस्तक्षेप नहीं किया, तो आने वाले दिनों में नदी पूरी तरह सूखने की आशंका है, जिससे नगर की 20 हजार से अधिक आबादी पर पेयजल संकट गहरा सकता है। गर्मी अभी अपने चरम पर नहीं पहुंची है, ऐसे में शुरुआती दौर में ही नदी की यह स्थिति भविष्य के गंभीर जल संकट की ओर संकेत कर रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि जल संरक्षण और प्रबंधन के प्रभावी उपाय नहीं किए गए, तो घर-घर तक पेयजल आपूर्ति प्रभावित होना तय है।

मछुआरों की बढ़ी सक्रियता, केमिकल उपयोग का खतरा

नदी का जलस्तर घटते ही जहां आमजन चिंतित हैं, वहीं मछुआरों के लिए यह अवसर बन गया है। बड़ी संख्या में लोग जाल लेकर नदी में उतर रहे हैं और मछली पकड़ने में जुटे हैं। हालांकि, इस बीच जहरीले केमिकल के उपयोग का खतरा भी मंडरा रहा है। हाल ही में 4 अप्रैल को रामानुजगंज पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन लोगों को केमिकल डालकर मछली मारते हुए गिरफ्तार कर जेल भेजा था।

डबरी और कुओं के सहारे जलापूर्ति

नगरपालिका फिलहाल नदी के बीच बनाए गए डबरी और पुराने कुओं के माध्यम से नगर के 15 वार्डों में पेयजल आपूर्ति कर रही है। अभी स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन लगातार गिरते जलस्तर के चलते यह व्यवस्था अधिक दिनों तक टिक पाना मुश्किल दिख रहा है।

दो दिन में होगा निरीक्षण

जल संसाधन विभाग के एसडीओ आशीष जगत ने बताया कि वे फिलहाल अवकाश पर हैं और दो दिन बाद रामानुजगंज पहुंचकर कन्हर नदी की स्थिति का निरीक्षण करेंगे। एनीकट के गेट की जांच के लिए इंजीनियर को भेजने के निर्देश भी दिए गए हैं।

पशु-पक्षियों पर भी संकट

कन्हर नदी का सूखना केवल मानव जीवन ही नहीं, बल्कि पशु-पक्षियों के लिए भी गंभीर खतरे का संकेत है, जो इस जलस्रोत पर निर्भर हैं। जहां इंसान वैकल्पिक व्यवस्था कर सकता है, वहीं बेजुबान जीवों के सामने जीवन का संकट खड़ा हो जाता है। ऐसे में कन्हर नदी का संरक्षण अब सामूहिक जिम्मेदारी बन गई है।

संक्षिप्त समाचार

सही दवा-शुद्ध आहार अभियान के तहत पनीर, दही और दूध विक्रेताओं की सघन जांच

बिलासपुर। सही दवा-शुद्ध आहार यही छत्तीसगढ़ का आधार थीम के अंतर्गत राज्य शासन के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर के मार्गदर्शन में जिले में 15 दिवसीय विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के तहत आज बिलासपुर शहर के विभिन्न पनीर, दही एवं दूध विक्रेता प्रतिष्ठानों में सघन जांच अभियान चलाया गया। निरीक्षण के दौरान खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने तेलीपारा स्थित जैन लस्सी से लस्सी का नमूना जांच के लिए संग्रहित किया। साथ ही अन्य विक्रेताओं को खाद्य सुरक्षा एवं स्वच्छता मानकों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने विक्रेताओं को दुकान एवं खाद्य सामग्री की साफ-सफाई बनाए रखने, हैंड ग्लव्स एवं हेड कवर पहनने, खाद्य लाइसेंस प्रदर्शित करने तथा निर्धारित मानकों के अनुरूप खाद्य सामग्री विक्रय करने के संबंध में आवश्यक जानकारी दी। टीम ने स्पष्ट किया कि नियमों का पालन नहीं करने वाले प्रतिष्ठानों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। अभियान के दौरान अभिहित अधिकारी, खाद्य सुरक्षा अधिकारी एवं नायब तहसीलदार उपस्थित रहे। खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और आमजन को सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती विजया रहाटकर की पहल यशोदा एआई' प्रशिक्षण से स्व सहायता समूह की महिलाओं को डिजिटल दक्षता की मिलेगी नई दिशा

बिलासपुर। राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा जल संसाधन विभाग के प्रार्थना सभाकक्ष में स्व सहायता समूह की महिलाओं (दीदियों) को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से 'यशोदा एआई' प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस पहल के माध्यम से महिलाओं को आधुनिक तकनीक से जोड़ते हुए उन्हें सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में महापौर श्रीमती पूजा विधानी एवं एडिशनल एसपी सुश्री रश्मित कौर चावला, आयोग के डिप्टी डायरेक्टर श्री रामअवतार सिंह सहित सैकड़ों की संख्या में स्व सहायता समूह की महिलाएं उपस्थित रहीं। इस अवसर पर राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती विजया रहाटकर ने समूह की दीदियों को संबोधित करते हुए कहा कि महिला आयोग द्वारा अब तक 31 कार्यशालाओं का आयोजन किया जा चुका है, जिनमें हजारों स्व सहायता समूहों की महिलाओं को प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की महिलाएं स्व सहायता समूहों के माध्यम से लगातार आगे बढ़ रही हैं और अपने परिवार की जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन कर रही हैं। यह कार्यक्रम केवल प्रशिक्षण नहीं, बल्कि सतत संवाद और महिला सशक्तिकरण का एक सशक्त माध्यम है। अध्यक्ष ने कहा कि डिजिटल युग में महिलाओं का तकनीक से जुड़ना अत्यंत आवश्यक है। डिजिटलाइजेशन के माध्यम से महिलाएं अपने उत्पादों को व्यापक बाजार तक पहुंचाकर आर्थिक रूप से मजबूत बन सकती हैं। 'यशोदा एआई' प्रशिक्षण के जरिए उन्हें उत्पादों की मार्केटिंग, टैगलाइन और डिजाइन तैयार करने सहित तकनीकी जानकारी प्रदान की जा रही है, जिससे उनके व्यवसाय को नई दिशा मिलेगी। कार्यक्रम में समूह की दीदियों ने अपने विचार एवं अनुभव साझा किए तथा प्रशिक्षण के दौरान अपनी जिज्ञासाओं को भी रखा, जिनका विशेषज्ञों द्वारा समाधान किया गया। प्रतिभागियों ने इस प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी बताते हुए कहा कि इससे उन्हें डिजिटल माध्यमों के उपयोग की व्यावहारिक जानकारी मिली है, जो उनके कार्यों में सहायक होगी। कार्यशाला में प्रशिक्षकों द्वारा 'यशोदा एआई' का प्रशिक्षण बारीकी से प्रदान किया गया, जिससे प्रतिभागियों को विषय की गहन समझ मिल सकी। महिलाओं को डिजिटल सशक्तिकरण की दिशा में प्रेरित करते हुए उन्हें तकनीक के प्रभावी उपयोग के लिए प्रोत्साहित किया गया।

राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा शी सर्वस कार्यशाला

दृढ़ संकल्प, आत्मविश्वास और अनुशासन के साथ डिफेंस सेवाओं में आगे बढ़े बेटियां रू महिला आयोग अध्यक्ष श्रीमती विजया रहाटकर

■ डिफेंस व प्रशासनिक सेवाओं में बेटियों की भागीदारी बढ़ाने दिया गया मार्गदर्शन

बिलासपुर। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती विजया रहाटकर के नेतृत्व में स्व. लखीराम अग्रवाल ऑडिटोरियम में शी सर्वस कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महापौर श्रीमती पूजा विधानी, कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल तथा एसएसपी श्री रजनेश सिंह, राष्ट्रीय महिला आयोग के डिप्टी डायरेक्टर श्री रामअवतार सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यशाला का उद्देश्य 16 से 23 वर्ष आयु वर्ग की छात्राओं को डिफेंस सर्विसेज एवं प्रशासनिक सेवाओं में करियर के लिए मार्गदर्शन प्रदान करना रहा। इस अवसर पर राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती विजया रहाटकर ने कहा कि यह कार्यक्रम विशेष रूप से बेटियों को समर्पित है और इसका शुभारंभ 22 दिसंबर 2025 को रांची (झारखंड) से किया गया था। देशभर में आयोजित इन कार्यशालाओं के माध्यम से छात्राओं तक पहुंचकर उन्हें रक्षा सेवाओं के प्रति जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज भी कई बेटियां जानकारी के अभाव में डिफेंस सेवाओं में पीछे रह जाती हैं, जबकि उनमें असीम क्षमता और देश सेवा का जज्बा होता है। ऐसे कार्यक्रम उन्हें सही दिशा देने का माध्यम बन रहे हैं। अध्यक्ष ने कहा कि भारत की बेटियां अनुशासन, सेवा भाव और मजबूत चरित्र के साथ देश की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर तैनात महिला

सैनिकों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि बेटियां आज पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर देश की सुरक्षा में योगदान दे रही हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं को मिल रहे अवसरों का उल्लेख करते हुए कहा कि आज महिलाएं फाइटर जेट उड़ान से लेकर विज्ञान, तकनीक, इंजीनियरिंग और गणित जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं। इस दौरान उन्होंने अवनी चतुर्वेदी का उदाहरण देते हुए छात्राओं को बड़े लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने छात्राओं से आह्वान किया कि वे दृढ़ संकल्प, आत्मविश्वास और अनुशासन के साथ डिफेंस सेवाओं में आगे बढ़ें और देश सेवा में भागीदार बनें। कार्यक्रम में महापौर श्रीमती पूजा विधानी ने बेटियों को डिफेंस एवं प्रशासनिक सेवाओं में आगे आने के लिए प्रेरित किया। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने कहा कि भारत की संस्कृति में नारी शक्ति को सदैव सर्वोच्च स्थान दिया गया है। उन्होंने कहा कि आज समय बदल चुका है और हर क्षेत्र में बेटियों के लिए अवसर उपलब्ध हैं। डिफेंस, पुलिस एवं प्रशासनिक सेवाएं केवल करियर नहीं बल्कि राष्ट्र सेवा का माध्यम हैं। उन्होंने छात्राओं को मानसिक रूप से मजबूत बनने, लक्ष्य स्पष्ट रखने, नियमित अध्ययन करने और शारीरिक रूप से फिट रहने की सलाह दी। यदि युवा अपने भीतर की क्षमता को पहचानकर निरंतर प्रयास करें, तो वे निश्चित रूप से अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं और देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

वाणिज्य विभाग की की स्पेशल टीम की सतर्कता से यात्री का खोया बैग बरामद

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल में यात्री सेवा एवं सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का एक सराहनीय उदाहरण सामने आया है। वाणिज्य विभाग की स्पेशल टीम की तत्परता एवं मुस्तैदी से एक यात्री का खोया हुआ बैग सुरक्षित रूप से बरामद कर उसे वापस सौंप दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार यात्री श्री उमेश राठौर किसी ट्रेन से बिलासपुर स्टेशन पहुंचे थे। उनके पास अधिक सामान होने के कारण वे प्लेटफॉर्म से बाहर निकलते समय गेट नंबर 1 से अपने वाहन की ओर गए और अन्य सामान वाहन में रख लिया, लेकिन उनका एक बैग अनजाने में स्टेशन परिसर में ही छूट गया। घर पहुंचने पर बैग के गुम होने का एहसास होने पर वे तत्काल स्टेशन वापस आए और वाणिज्य विभाग की स्पेशल सेल से संपर्क किया। सूचना प्राप्त होते ही

वाणिज्य विभाग की टीम ने तत्परता दिखाते हुए स्टेशन परिसर में सघन खोज अभियान चलाया। टीम के प्रयासों से उक्त बैग स्टेशन के रैंप के समीप सुरक्षित अवस्था में बरामद कर लिया गया। संभवतः किसी जागरूक व्यक्ति द्वारा बैग को सुरक्षित स्थान पर रख दिया गया था। बैग मिलने के पश्चात आवश्यक पुष्टि प्रक्रिया पूरी कर उसे यात्री श्री उमेश राठौर को सुपुर्द कर दिया गया। यात्री ने रेलवे प्रशासन एवं संबंधित टीम का आभार व्यक्त किया। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अनुराग कुमार सिंह ने टीम के सदस्यों की तत्परता एवं सजगता की सराहना करते हुए कहा कि स्पेशल टीम आपातकालीन परिस्थितियों में अपनी जिम्मेदारियों का कुशलतापूर्वक निर्वहन करते हुए यात्रियों की हर संभव सहायता करने का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत कर रही है।

रायगढ़ रेलवे स्टेशन पर ऑटोमेटिक वेंडिंग मशीन का शुभारंभ किया.....

डिजिटल भुगतान से अब आसानी से प्राप्त करें ठंडे पेय पदार्थ

बिलासपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्री सुविधाओं को और अधिक सुदृढ़ एवं आधुनिक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए मंडल के रायगढ़ रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नं 01 पर ठंडे पेय पदार्थों हेतु ऑटोमेटिक वेंडिंग मशीन का शुभारंभ किया गया है। यह पहल रेलवे की यात्री-केंद्रित एवं तकनीक-आधारित सेवाओं को बढ़ावा देने की दिशा में एक सराहनीय कदम है। इस ऑटोमेटिक वेंडिंग मशीन के माध्यम से अब यात्रियों को ठंडे पेय पदार्थ खरीदने के लिए स्टॉल पर जाने की आवश्यकता

नहीं होगी। यात्री स्वयं इस मशीन का उपयोग कर अपनी सुविधा अनुसार कोका-कोला ब्रांड के विभिन्न ठंडे पेय पदार्थ आसानी से प्राप्त कर सकेंगे। मशीन का उपयोग अत्यंत सरल एवं सुविधाजनक है। यात्री को सबसे पहले मशीन पर उपलब्ध क्यूआर कोड को स्कैन करना होगा, जिसके पश्चात स्क्रीन पर उपलब्ध विकल्पों के माध्यम से वे अपनी पसंद का पेय पदार्थ चयन कर सकते हैं। भुगतान की प्रक्रिया पूर्ण होते ही संबंधित उत्पाद मशीन के नीचे स्थित डिस्पेंस बॉक्स से स्वतः प्राप्त हो जाता है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अनुराग कुमार सिंह ने बताया कि रेलवे यात्रियों को सुरक्षित, सुविधाजनक एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान करने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। रायगढ़ रेलवे स्टेशन पर ऑटोमेटिक वेंडिंग मशीन की स्थापना इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जिससे दैनिक एवं लंबी दूरी के यात्रियों को समान रूप से लाभ मिलेगा। इस पहल से डिजिटल भुगतान को बढ़ावा मिलने के साथ ही चिल्हर और ओवर चार्जिंग की समस्या भी दूर होगी

राष्ट्रीय महिला आयोग अध्यक्ष श्रीमती विजया रहाटकर ने सुनी महिलाओं की समस्याएं.....

बिलासपुर। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती विजया रहाटकर की उपस्थिति में आज जल संसाधन विभाग परिसर स्थित प्रार्थना सभा कक्ष में महिला जनसुनवाई का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर संजय अग्रवाल एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। जनसुनवाई के दौरान घरेलू हिंसा, कार्यस्थल पर उत्पीड़न, दहेज प्रताड़ना, संपत्ति विवाद, साइबर अपराध, पारिवारिक विवाद तथा सामाजिक उत्पीड़न से जुड़े कुल 58 प्रकरण प्राप्त हुए। राष्ट्रीय महिला आयोग अध्यक्ष ने पीड़ित महिलाओं की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित मामलों में शीघ्र एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। प्राप्त प्रकरणों को आवश्यक कार्रवाई हेतु संबंधित विभागों, पुलिस विभाग, नवा बिहान, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, महिला थाना एवं सखी वन स्टॉप सेंटर को हस्तांतरित किया गया। साथ ही सभी प्रकरणों में की गई कार्रवाई का प्रतिवेदन तैयार कर राष्ट्रीय महिला आयोग को प्रेषित करने के निर्देश भी दिए गए। श्रीमती रहाटकर ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और न्याय सुनिश्चित करना सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि महिलाओं से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता के साथ त्वरित समाधान किया जाए, ताकि पीड़ितों को समय पर न्याय मिल सके।

रेल कर्मचारियों एवं उनके परिजनों के स्वास्थ्य परीक्षण के साथ शिकायतों का किया निवारण

■ मंडल के शहडोल स्टेशन के रेलवे उप मंडलीय चकित्सालय में कर्मचारी शिकायत निवारण एवं बहुद्देशीय स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन

बिलासपुर। मंडल प्रशासन द्वारा रेलवे कर्मचारियों के हितों, उन्हें स्वस्थ कार्यालयीन वातावरण प्रदान करने, उनकी शिकायतों एवं समस्याओं के निराकरण तथा उन्हें स्वास्थ्य लाभ उपलब्ध कराने, बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाव हेतु समय पर टीकाकरण प्रदान करने एवं स्वास्थ्य के प्रति जन-

जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से कर्मचारी शिकायत निवारण एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन नियमित रूप से किया जा रहा है। इसी संदर्भ में मंडल रेल प्रबंधक श्री राकेश रंजन के मार्गदर्शन में आज 29 अप्रैल 2026 को मंडल के शहडोल स्टेशन के रेलवे चिकित्सालय में कर्मचारी शिकायत निवारण एवं बहुद्देशीय स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया इस स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में शिशु रोग विशेषज्ञ, हृदय रोग विशेषज्ञ, स्त्री रोग विशेषज्ञ, हड्डी रोग विशेषज्ञ एवं फिजिशयनों द्वारा जांच की गई शिविर में शहडोल क्षेत्र के विभिन्न विभागों के लगभग 266 कर्मचारियों एवं उनके परिजनों ने अपने स्वास्थ्य का परीक्षण कराया। 9 से 15 वर्ष आयु वर्ग की 26 बालिकाओं को एचपीवी के टीके एवं 42 कर्मचारियों को टिटनेस के टीके, 45 महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण एवं केंसर स्क्रीनिंग तथा 59 कर्मचारियों का नेत्र परीक्षण किया गया इस दौरान कर्मचारियों के रक्तचाप, मधुमेह, हाइट व वेट जांच के साथ ही विभिन्न बीमारियों की स्क्रीनिंग की गई तथा दवाइयाँ उपलब्ध कराई गई डाक्टरों की टीम द्वारा विभिन्न बीमारियों के लक्षण, प्रकार, इससे होने वाली हानि तथा परहेज करने के अलावा अन्य स्वास्थ्य सम्बन्धित जानकारियां भी दी गई। शिकायत निवारण शिविर में 04 कर्मचारियों द्वारा शिकायतें दर्ज कराई गईं । इन शिकायतों पर विचार-विमर्श कर कुछ शिकायतों का तत्काल निराकरण किया गया। शेष शिकायतों का निराकरण रेलवे बोर्ड के गाइड लाइन के तहत अतिशीघ्र करने का आश्वासन दिया गया।

महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान सर्वोच्च प्राथमिकता राष्ट्रीय महिला आयोग अध्यक्ष श्रीमती विजया रहटकर

■ महिला उत्पीड़न मामलों की समीक्षा बैठक में प्रशासन और पुलिस को दिए सख्त निर्देश

बिलासपुर। राष्ट्रीय महिला आयोग नई दिल्ली की अध्यक्षा श्रीमती विजया रहटकर ने आज बिलासपुर प्रवास के दौरान महिला सुरक्षा, उत्पीड़न और शिकायतों के निराकरण को लेकर समीक्षा बैठक ली। मंथन सभाकक्ष में आयोजित बैठक में कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री रजनेश सिंह सहित महिला एवं बाल विकास, पुलिस, स्वास्थ्य, शिक्षा और समाज कल्याण विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।बैठक में जिले में महिलाओं से संबंधित अपराध, घरेलू हिंसा, दहेज प्रताड़ना, बाल विवाह, मानव तस्करी, टोनही प्रथा और सामाजिक बहिष्कार, साइबर अपराध और महिला हेल्पलाइन से जुड़े मामलों की विस्तार से समीक्षा की गई। राष्ट्रीय महिला आयोग अध्यक्ष ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि समाज के संवेदनशील और सुरक्षित वातावरण से भी जुड़ा हुआ है। उन्होंने महिला उत्पीड़न के मामलों में त्वरित कार्रवाई, समयबद्ध जांच और पीड़िताओं को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। श्रीमती रहटकर ने अधिकारियों से कहा कि महिला शिकायतों के निराकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। थानों और संबंधित विभागों में महिला प्रकरणों के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाने तथा पीड़ित महिलाओं को कानूनी एवं मनोवैज्ञानिक सहयोग उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया गया। कलेक्टर श्री

संजय अग्रवाल ने जिले में महिला सुरक्षा हेतु संचालित विभिन्न योजनाओं, वन स्टॉप सेंटर, महिला हेल्पलाइन, मिशन शक्ति और जागरूकता अभियानों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि महतारी वंदन योजना के तहत हर माह मिलने वाली राशि से महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ा है। एसएसपी श्री रजनेश सिंह ने बताया कि महिला अपराधों की रोकथाम के लिए पुलिस द्वारा नियमित निगरानी, त्वरित शिकायत पंजीयन और संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष गश्त की जा रही है। बैठक के अंत में राष्ट्रीय महिला आयोग अध्यक्ष ने अधिकारियों को महिला सुरक्षा के प्रति और अधिक सजग एवं उत्तरदायी होकर कार्य करने के निर्देश दिए तथा कहा कि महिलाओं को सुरक्षित, सम्मानजनक और न्यायपूर्ण वातावरण उपलब्ध कराना शासन-प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने पुलिस विभाग द्वारा सामुदायिक पुलिसिंग चेतना अभियान पर आधारित लघु फिल्म का अवलोकन किया और इसकी प्रशंसा की। श्रीमती रहटकर ने आयोग की तेरे मेरे सपने योजना को जिले में लागू करने का सुझाव दिया। इसके तहत एक केंद्र में बैठकर विवाह पूर्व युवक युवतियों के आपसी समझ को बढ़ाने के लिए परामर्श दिया जाएगा। आयोग द्वारा पूरे देश में ऐसे 100 सेंटर पिछले एक साल में खोले गए हैं। श्रीमती रहटकर ने जिले की बिहान समूह की चुनिंदा लखपति दीदियों और सफल महिला उद्यमियों से चर्चा की और उनका हौसला बढ़ाया। निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे, जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल,जिला कार्यक्रम अधिकारी सुरेश सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

रेल यात्रा वृत्तांत पर अखिल भारतीय स्तर की निबंध प्रतियोगिता

बिलासपुर। रेलकर्मियों सहित जनसाधारण के रेल यात्रा संबंधी अनुभव प्राप्त करने व हिंदी के प्रति रूची उत्पन्न करने एवं रेलवे की कार्यप्रणाली को बेहतर बनाने के उद्देश्य से रेल मंत्रालय द्वारा रेल यात्रा वृत्तांत पुरस्कार योजना, प्रारम्भ की गई है । इस योजना के तहत कोई भी भारतीय नागरिक रेल यात्रा से संबंधित संस्मरण ''रेल यात्रा वृत्तांत'' विषय पर न्यूनतम 3000 से अधिकतम 3500 शब्दों में एक निबंध टाइप कराकर दो प्रतियों में दिनांक 31 जुलाई, 2026 तक सहायक निदेशक, हिन्दी (प्रशिक्षण) , कमरा नम्बर 316, काफ्मो रेल कार्यालय परिसर, तिलक ब्रिज, आईटीओ, नई दिल्ली-110002 पर भेज सकते हैं । इसके लिए रेलवे बोर्ड द्वारा प्रथम पुरस्कार 10000 रू. के, द्वितीय पुरस्कार 8000 रू. के, तृतीय पुरस्कार 6000 रू. के एवं 5 प्रेरणा पुरस्कार प्रत्येक के लिए 4000 रु. के पुरस्कारों की व्यवस्था रखी गई है । इस प्रतियोगिता में भाग लेने वालो के लिए नियमावली निम्नानुसार है:- रेल यात्रा वृत्तांत पुरस्कार योजना में भाग लेने वाले प्रतियोगी को चाहिए कि वे अधिक से अधिक 3000 शब्दों में यात्रा वृत्तांत कागज के एक ओर डबल स्पेस में टाइप, होना चाहिए, दो प्रतियों में होना चाहिए एवं प्रतियोगी का विवरण जैसे:- नाम, पदनाम, आयु, पता: कार्यालय/ निवास, मातृभाषा, दूरभाष/ मोबाइल, ई-मेल आदि का स्पष्ट उल्लेख किया गया हो ।

घर में मोर पंख रखने के नियम

मोर पंख श्रीकृष्ण को अति प्रिय है। यही मोर पंख वास्तु शास्त्र में एक बहुत शुभ वस्तु माना गया है जिसके सही उपयोग से घर से वास्तु दोष को दूर किया जा सकता है साथ ही घर से सभी नकारात्मकता को दूर किया जा सकता है। मोर पंख को घर में रखने की इच्छा आपकी भी है ताकि घर की सुख-समृद्धि बनी रहे तो आप यह जरूर जान लेना चाहिए कि मोर पंख से जुड़े नियम क्या हैं। बिना नियम के अगर मोर पंख को गर में रखेंगे तो इसके शुभ प्रभावों की प्राप्ति नहीं होगी।

घर में मोर पंख रखने की दिशा

वास्तु शास्त्र के अनुसार मोर पंख को घर में हमेशा दक्षिण-पश्चिम या पूर्व दिशा में रखें। ध्यान रहे कि जिस भी दिशा में पैर करके सोएं उस दिशा में मोर पंख न रखें। नहीं तो पति-पत्नी के बीच कड़वाहट आ सकती है। अगर बेडरूम में इनडोर प्लांट है तो गमले में भी मोर का पंख सजा सकते हैं। गमले को दक्षिण-पश्चिम दिशा में रखना वास्तु दोष दूर करेगा।

कहां न रखें मोर पंख

मोर पंख को पैरों के पास न रखें, ऐसा करने से घर के लोगों का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। गृह क्लेश बढ़ सकता है। मोर पंख को कभी भी बिस्तर के नीचे न रखें, इससे धन हानि हो सकता है। तकिए के नीचे मोर पंख रखकर सोना घर की सकारात्मक ऊर्जा का नाश कर सकता है। मोर पंख को पवित्र जगह पर सम्मान से रखें और उस जगह को हमेशा साफ करते रहें। घर में खुशहाली आएगी।

मोर पंख सजावटी समान के साथ न रखें

मोर पंख को सजावट के लिए उपयोग न लाएं बल्कि इसे हमेशा पूजा घर में या पूरी पवित्रता के साथ ही रखें। वास्तु शास्त्र के अनुसार जब मोर पंख को साधारण सजावट का सामान बनाकर रखा जाता है तो इसकी सकारात्मक ऊर्जा ना नाश हो जाता है। ध्यान रहे कि मोर पंख के साथ कोई और टूटा सामान या कोई और सजावटी सामान न रखें। ऐसा करने से मोर पंख की नकारात्मक ऊर्जा का सामना करना पड़ सकता है।

मोर पंख घर दूसरे रंग न चढ़ाएं

मोर पंख को कभी भी आर्ट एंड क्रिएटिविटी के लिए इस्तेमाल न करें, न तो इसे किसी और से रंगे। ऐसा करने से मोर पंख की सकारात्मक ऊर्जा का नाश हो जाता है। ऐसे मोर पंख को घर में रखने से इसका कोई भी शुभ परिणाम प्राप्त नहीं हो पाता है।

हिंदू धर्म में धूप जलाने का महत्व

सनातन धर्म में अधिकतर चीजों का जुड़ाव विज्ञान से भी माना गया है। हिंदू धर्म में कई ऐसे पारम्परिक अनुष्ठान हैं, जो विज्ञान की दृष्टि से भी लाभदायक हैं। इसी प्रकार घर में गुग्गल धूप को जलाना जहां नकारात्मक ऊर्जा को समाप्त करता है, वहीं इसका सेहत पर भी लाभ देखने को मिलता है। ऐसे में आइए जानते हैं कि घर में किस प्रकार गुग्गल धूप जलाना चाहिए।

वास्तु दोष दूर करने का उपाय

यदि घर में वास्तु दोष व्यापत हो जाता है, तो ऐसी स्थिति में व्यक्ति को कई प्रयासों के बाद भी सफलता हासिल नहीं हो होती। इस स्थिति से छुटकारा पाने के लिए शाम के समय गुग्गल, पीली सरसों, गाय का घी और लोबान को मिलाकर एक गाय के कंडे पर रखकर जलाएं। इसके बाद पूरे घर में धूनी दें। ये काम आपको लगातार 21 दिनों तक करना है। ऐसा करने से आपको वास्तु दोष से छुटकारा मिल सकता है।

गृह क्लेश से मिलेगा छुटकारा

यदि पति-पत्नी के बीच बिना बाद के विवाद की स्थिति बनी रहती है, तो ऐसे में आपको रोजाना गोबर के कंडे में गुग्गल डालकर जलाना चाहिए और पूरे घर में धूनी देना चाहिए। इससे घर की नकारात्मकता समाप्त होती है और सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है। जिससे घर के माहौल में शांति बनी रहती है।

सेहत में भी होगा फायदा :- यदि घर में हमेशा किसी-न-किसी सदस्य की सेहत खराब बनी रहती है, तो ऐसे में गुग्गल धूप की धूनी पूरे घर में करना आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। इससे घर का माहौल शुद्ध और सुगंधित बना रहता है। साथ ही इससे मानसिक थकावट भी दूर होती है और मन को शांति का अनुभव होता है।

चेहरे के लाल पन को कम करने के टिप्स

गर्मी का मौसम शुरू होते ही स्किन संबंधित समस्याएं होने लगती है, ऐसे में कुछ लोगों का चेहरा धूप की वजह से लाल पड़ने लगता है, इससे छुटकारा पाने के लिए लोग कई प्रयास करते हैं लेकिन फिर भी उन्हें आराम नहीं मिलता अगर आप भी लाल त्वचा से परेशान हो चुके हैं, तो यह खबर आपके लिए है। आज हम आपको ऐसे पांच घरेलू उपाय बताएंगे जीने कर आप आसानी से अपने चेहरे के लाल पन को कम कर सकते हैं...

गुलाब जल का इस्तेमाल

गर्मी में तेज धूप के कारण चेहरे पर रेडनेस आ जाती है, इससे बचने के लिए आप सबसे पहले चेहरे पर गुलाब जल का इस्तेमाल कर सकते हैं, यह त्वचा के लाल पन को काम करता है और ठंडक पहुंचता है। आप गुलाब जल को 15 मिनट के लिए अपने चेहरे पर लगा सकते हैं, इससे सनबर्न के कारण हुई डैमेज स्किन से छुटकारा मिलेगा।

एलोवेरा जेल का इस्तेमाल

इसके अलावा आप एलोवेरा जेल का इस्तेमाल कर सकते हैं, एलोवेरा को लोग सदियों से त्वचा के लिए इस्तेमाल करते आ रहे हैं। इसमें मौजूद एंटी इंफ्लेमेटरी गुण चेहरे की रेडनेस को कम करते हैं और त्वचा को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। आप 15 से 20 मिनट के लिए एलोवेरा जेल को अपने चेहरे पर लगा सकते हैं। उसके बाद ठंडे पानी से धो लें।

समर ड्रेस के साथ हेयर स्टाइलिंग

गर्मी के मौसम में स्टाइलिश और कम्फर्टेबल दिखने के लिए हम काफी स्ट्रगल करते हैं, जबकि समर फैशन में जितनी कम चीजें कैरी करें उतना अच्छा होता है। गर्मी में समर ड्रेस के साथ बनाएं इस तरह के हेयरस्टाइल..

गर्मी ने अपना कहर बरपाना शुरू कर दिया है। इस मौसम में आरामदायक रहते हुए स्टाइलिश दिखना एक मुश्किल काम हो सकता है, लेकिन आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। आमना शरीफ एक बार फिर अपने स्टाइलिश लुक्स के साथ फैंस को फैशन गोल दे रही है। उन्होंने अपने इंस्टा हैंडल से कुछ लेटेस्ट पिक्स की सीरीज शेयर की है। इस दौरान वे सफेद रंग की खूबसूरत फ्लोरल ड्रेस में देखी जा सकती हैं, जिसमें स्ट्रैपी हॉल्टर नेक दिया गया है। वहीं, आउटफिट को कॉम्पलिमेंट करने के लिए आमना ने एक चिक हेयरस्टाइल को कैरी किया। उन्होंने हाफ बाल को बन बनाकर ऊपर टाई किया है, जबकि मिडिल पार्टिंग से आगे की ओर कुछ लटें निकाली हैं। उनका ये हेयरस्टाइल गर्मियों के लिए बिल्कुल परफेक्ट है। यह बनाने में भी आसान है और गर्मियों से राहत दिलाएगा। मेकअप को मिनिमल रखते हुए उन्होंने लिप एंड चीक टिंट को अप्लाई किया है और साथ चिक आईब्रो के साथ कानों में स्टड्स पहनकर अपना सिंपल समर लुक पूरा किया।

रिश्ते को मजबूत बनाने के आसान तरीके

एक कम्पलीट और हेल्दी रिलेशन के लिए अपने साथी के साथ मजबूत बंधन होना बेहद जरूरी होता है, चाहे आप अपने रिश्ते के शुरुआती फेज में हों या फिर इसे कई साल हो चुके हों. अगर आप एक साथ मिलकर चुनौतियों और संघर्षों का सामना कर रहे हैं, तो निश्चित रूप से आपकी आधी परेशानियां समाप्त हो जाती हैं, लेकिन अगर आप अपने कनेक्शन और समझ को गहरा करने की आवश्यकता महसूस करते हैं, तो हमने आपके रिश्ते को मजबूत बनाने के लिए कुछ आसान तरीके लेकर आए हैं, जिसकी मदद से आप रिलेशनशिप को और मजबूत और गहरा बना सकते हैं. रिश्ते को मजबूत बनाने के लिए क्या करें?

अपने रिश्ते के लिए कोई खास रिवाज बनाएं

अपने रिश्ते को सबसे खास और अलग बनाने के लिए खुद के रीति-रिवाजों और परंपराओं का निर्माण करें, जो आप दोनों से जुड़े हों या जिसमें आप दोनों एक साथ होने का अनुभव करें। यह आपके रिश्ते को मजबूत करने का एक अद्भुत तरीका है। जैसे कि वीकेंड नाइट के लिए कोई खास खेल तैयार करें, हफ्ते में किसी एक निश्चित एक साथ खाना बनाएं, या फिर महीने में एक बार एक-दूसरे को अपने हाथ से बनी कोई चीज गिफ्ट करें। ये तरीके न केवल आपके रिश्ते को मजबूत करते हैं बल्कि खुशी और स्थिरता भी लाते हैं।

रिलेशनशिप बकेट लिस्ट बनाएं

बस एक साथ बैठें और उन सभी अनुभवों को लिखें, जिन्हें आप एक कपल के रूप में साथ में एक्सपीरियंस करना चाहते हैं। छोटी-छोटी एक्टिविटीज से लेकर मज़ेदार एडवेंचर्स तक सब कुछ शामिल करें। फिर तैयार की गई इस लिस्ट को पूरा करने की ओर धीरे-धीरे कदम बढ़ाएं। इस आसान सी एक्टिविटी के माध्यम से, आप तुरंत एकजुटता की भावना महसूस करेंगे और इन्हें एक साथ पूरा करने के लिए कोशिश करने की इच्छा आपको और पास लेकर आएगी, जिससे आपका रिश्ता मजबूत होगा।

लव लेटर या लव नोट्स लिखें

हर महीने या दो महीने में अपने पार्टनर के लिए अपने हाथ से एक लेटर लिखें, जिसमें आप अपना दिल खोलकर रख सकते हैं। उस महीने के दौरान साझा की गई सभी यादों और खुशी के पलों को अपने लेटर में शामिल करें। इसके अलावा, आप जब भी उनसे मिलें, तो उनके बैग या दोपहर के खाने की टिफिन में प्यारा सा नोट रखें। ये छोटे और आसान इशारे आपके रिश्ते में स्नेह और समर्पण को दिखाने में बहुत महत्व रखते हैं।

रिश्ते में हासिल की गई माइलस्टोन्स को सेलीब्रेट करें

आपने रिश्ते की उपलब्धियों का जश्न मनाएं, जैसे कि मनथली एनिवर्सरी या फिर वह दिन जब आप पहली बार मिले थे। इसके अलावा आपके सभी फर्स्ट्स, जैसे फर्स्ट किस, फर्स्ट हग या कोई अन्य पल जो आपको लगता है कि आपके जीवन में महत्व रखता है। इन छोटे और खूबसूरत उपलब्धियों का जश्न मनाने से आपका रिश्ता और मजबूत हो सकता है।

बच्चे को जल्दी बोलने में मददगार होते हैं पैरेंट्स

बच्चे का पहला शब्द बोलना हर माता-पिता के लिए एक खुशी का पल होता है, लेकिन कभी-कभी, बच्चे बोलना देर से शुरू करते हैं, जिसके पीछे अक्सर माता-पिता की कुछ गलतियां हो सकती हैं। यहां हम ऐसी ही कुछ सामान्य गलतियों के बारे में बात करेंगे जिन्हें सुधार कर आप अपने बच्चे को जल्दी बोलने में मदद करेंगे और उनकी भाषा की क्षमता भी मजबूत होगा।

अधिक स्क्रीन टाइम :- आज के दौर में, बच्चे अक्सर टीवी, टैबलेट, और स्मार्टफोन की स्क्रीन्स पर खूब समय बिताते हैं। यह आदत उनके सामाजिक संपर्क को सीमित कर देती है, जो कि उनकी भाषा सीखने की क्षमता के विकास के लिए बेहद जरूरी है। बच्चों के साथ ज्यादा समय तक संवाद करना और उन्हें भाषा के प्रति उत्साहित करना महत्वपूर्ण है। इसलिए, माता-पिता को चाहिए कि वे बच्चों के स्क्रीन टाइम को सीमित करें और उनके साथ अधिक बातचीत करें, ताकि उनकी भाषाई क्षमताएं बेहतर हो सकें।

कम बातचीत :- जब माता-पिता अपने बच्चों से ज्यादा बातचीत नहीं करते, तो बच्चे नए शब्द कम सीख पाते हैं। इसलिए बच्चों के साथ रोज बात करना और नई चीजें सिखाना जरूरी है।

प्रतिक्रिया न देना :- जब बच्चे बोलने की कोशिश करते हैं और अगर माता-पिता उनकी तारीफ नहीं करते, तो बच्चे बोलने में हिचकिचाते हैं और कम बोलते हैं। इसलिए, उनके हर प्रयास की सराहना करना जरूरी है ताकि वे बेझिझक बोल सकें।

बच्चे के साथ टाइम बिताएं :- अगर घर में एक ही भाषा बोली जाती है, तो बच्चों को नई भाषा सीखने की जिज्ञासा कम होती है। किताबें पढ़ने, कहानियां सुनने और गाने गाने से बच्चों का भाषा विकास तेजी से होता है। इसलिए, बच्चों को विविध भाषाएं सुनने और अभ्यास करने का मौका देना चाहिए।

कटहल की सब्जी काटने के तरीके

सब्जी बनानी हो या अचार या फिर बिरयानी, कटहल हर मामले में सभी सब्जियों पर भारी पड़ता है। हालांकि, इसे काटने में भी काफी मशक्कत करनी पड़ी है। दरअसल, जब इसे काटते हैं तो चिपचिपा रेशा निकलता है, जो न सिर्फ चाकू पर चिपक जाता है, बल्कि हाथ कटने का डर भी बढ़ जाता है। आइए आपको ऐसी तकनीक बताते हैं, जिससे आप घर में ही बेहद आसानी से कटहल को काट सकते हैं। खास बात यह है कि यह तरीका एकदम देसी है, जिसे सीखना भी बेहद आसान है।जब आप कटहल को काटने की तैयारी कर रही है तो सबसे पहले उसे अच्छी तरह धो लीजिए। इसके बाद कटहल काटने से पहले उसके आसपास 2-3 न्यूज पेपर बिछा लीजिए, जिससे कटहल का कूड़ा जमीन पर नहीं फैलेगा।

ऐसे आराम से कटेगा कटहल

कटहल काटने से पहले एक कटोरी में सरसों का तेल रख लें। कटहल काटने के लिए अगर बड़ा चाकू हो तो बेहतर रहेगा, नहीं तो आप दो छोटे चाकू रख लीजिए। इसके अलावा एक बर्तन में पानी भर लीजिए और उसमें नमक-हल्दी मिला लीजिए। इससे कटहल काटने में मदद मिलेगी।

सबसे पहले करें कटहल के दो टुकड़े

कटहल काटते वक्त सबसे पहले चाकू पर तेल लगा लें। इसके बाद कटहल को दो हिस्सों में बांट लीजिए। इससे सफेद चिपचिपा पदार्थ ज्यादा नहीं फैलेगा। अब दोनों हिस्सों के कई टुकड़े कर लीजिए, जिससे कटहल करीब 8-10 हिस्सों में बंट जाएगा।

तेल लगाने से आराम से कटेगा कटहल

यह ध्यान रखने वाली बात है कि जब भी आप कटहल के टुकड़े करें तो चाकू और हाथ पर हल्का सा तेल जरूर लगा लें। इससे कटहल काटने में आसानी होगी। छिले हुए टुकड़ों को नमक-हल्दी वाले पानी में डाल लीजिए।

बारीक कटहल कैसे काटें?

अगर आप कटहल की सूखी सब्जी बनाना चाहते हैं तो हाथ में तेल लगाकर कटे हुए सफेद टुकड़ों के रेशों को चाकू की मदद से धीरे-धीरे अलग कर लें। इससे कटहल एकदम बारीक कट जाएगा और इसकी सूखी सब्जी बनाने में आसानी होगी।

ऐसे साफ करें हाथ

कटहल काटते वक्त अगर हाथ में चिपचिपा सफेद पदार्थ लग जाता है तो परेशान न हों। हाथ में तेल लगाने से यह जल्दी साफ हो जाता है। अब कटहल के कचरे को अखबार में लपेटकर फेंक दें।

निजी स्कूलों की लूट पर अभिभावकों का हल्लाबोल; कलेक्टर से गुहार– शिक्षा को व्यापार बनाना बंद करें स्कूल

दुर्ग। दुर्ग जिले में निजी स्कूलों की मनमानी और फीस में बेतहाशा बढ़ोतरी को लेकर अभिभावकों का धैर्य जवाब दे गया है। भारी संख्या में अभिभावकों ने कलेक्टोरेट पहुंचकर जनदर्शन के माध्यम से जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा और निजी स्कूलों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। अभिभावकों ने स्पष्ट रूप से आरोप लगाया कि स्कूल शिक्षा देने के बजाय इसे 'व्यवसाय' में बदल चुके हैं।

सालाना 10 से 12 हजार का अतिरिक्त बोझ– ज्ञापन में बताया गया कि निजी स्कूल हर साल बिना किसी ठोस कारण के मासिक फीस में 700 से 1000 रुपये तक की वृद्धि कर रहे हैं। इस हिसाब से सालभर में एक बच्चे पर 10 से 12 हजार रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है। अभिभावकों का कहना है कि यह राशि कई छोटे स्कूलों की कुल सालाना फीस के बराबर है, जो मध्यम और गरीब वर्ग की कमर तोड़ रही है।

नो स्कूल, नो फीस की मांग– अभिभावकों ने गर्मी की छुट्टियों के दौरान वसूली जाने वाली फीस पर भी कड़ा एतराज जताया है। उनका आरोप है कि स्कूल बंद रहने के बावजूद तीन महीने की पूरी ट्यूशन फीस और यहाँ तक कि ट्रांसपोर्ट फीस भी वसूली जा रही है। उन्होंने प्रशासन से 'नो स्कूल, नो फीस' का नियम सख्ती से लागू करने की मांग की है।

मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री तक पहुँचा मामला– इस गंभीर मुद्दे को जनदर्शन के माध्यम से प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव के संज्ञान में भी लाया गया है। अभिभावकों ने सरकार से मांग की है।

भीषण गर्मी से झुलस रहे जनजीवन को राहत नहीं , 29 अप्रैल बुधवार को दुर्ग-भिलाई में भीषण गर्मी का प्रकोप रहा , यहाँ का तापमान लगभग 35एष्ट से उपर दर्ज किया गया.

फोटो : नाहीद शेख

दिग्विजय कॉलेज कैंटीन में भाजयुमो महामंत्री ने संचालक से की मारपीट, हुई शिकायत

संचालक ने कॉलेज के प्राचार्य से की शिकायत, पुलिस कार्रवाई होना शेष

राजनांदगांव। दिग्विजय कॉलेज कैंटीन में मंगलवार को विवाद हो गया। कैंटीन संचालक, उसके पिता और बहन के साथ मारपीट की गई। सबसे बड़ी बात मारपीट करने वाला शख्स भारतीय जनता युवा मोर्चा दक्षिण मंडल का नवनियुक्त महामंत्री आशीष शोरी है।

विवाद की खबर मिलते ही बसंतपुर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची थी। हालांकि अब तक इस मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्ज नहीं की है। लेकिन पीड़ित पक्ष ने अपनी शिकायत फिलहाल कॉलेज प्राचार्य से की है।

मिली जानकारी अनुसार कॉलेज कैंटीन का संचालन किरण कुमार साहू के द्वारा किया जाता है। मंगलवार को भाजयुमो महामंत्री आशीष शोरी कैंटीन में आकर बैठ गया। इसी दौरान कुछ प्रोफेसर भी कैंटीन पहुंचे, इस पर किरण साहू ने आशीष को दूसरी टेबल पर बैठने कहा। इसी बात पर विवाद होने लगा। किरण ने अपनी शिकायत में स्पष्ट लिखा है कि दूसरी जगह बैठने की बात कहने पर आशीष ने पिता राजेश साहू और बहन से बदतमीजी करने लगा और मुझसे मारपीट करने लगा। इस मारपीट में किरण को काफी चोट आना बताया गया है।

बसंतपुर टीआई एमन साहू ने कहा कि मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस टीम को मौके पर भेजा गया था। पीड़ित ने मौखिक रूप से जानकारी दी है। शिकायत के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस बारे में भाजयुमो जिलाध्यक्ष चिंटू सोनकर ने कहा कि यह उनका व्यक्तिगत मामला है, इस पर संगठन क्या कह सकता है।

जनगणना पोर्टल से छत्तीसगढ़ी गायब : जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी ने खोला मोर्चा, साढ़े तीन करोड़ लोगों के अपमान का लगाया आरोप

दुर्ग। छत्तीसगढ़ी भाषा को जनगणना में उचित स्थान दिलाने की मांग अब एक बड़े आंदोलन का रूप लेती जा रही है। जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी ने भारत सरकार द्वारा जारी 'स्व-जनगणना पोर्टल' (Self-Enumeration Portal) में छत्तीसगढ़ी भाषा का विकल्प न होने पर कड़ा ऐतराज जताया है। सोमवार को पार्टी के पदाधिकारियों ने दुर्ग जिला कलेक्टर के माध्यम से भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के नाम एक ज्ञापन सौंपा।

विदेशी भाषाओं को जगह, पर छत्तीसगढ़ी को क्यों नहीं?– ज्ञापन में पार्टी ने केंद्र सरकार की मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा कि पोर्टल में मातृभाषा के कॉलम में नेपाली जैसी विदेशी भाषा और अंग्रेजी का उल्लेख तो मौजूद है, लेकिन छत्तीसगढ़ की अस्मिता 'छत्तीसगढ़ी भाषा' को गायब रखा गया है। पदाधिकारियों ने इसे साढ़े तीन करोड़ छत्तीसगढ़ी भाषियों के साथ अन्याय और उनके अस्तित्व को नजरअंदाज करने वाला कदम बताया है।

राजभाषा का दर्जा होने के बाद भी उपेक्षा– पार्टी के पदाधिकारियों ने याद दिलाया कि 28 नवंबर 2007 को छत्तीसगढ़ शासन ने छत्तीसगढ़ी को राजभाषा का दर्जा दिया था और इसके लिए राजभाषा आयोग का गठन भी किया गया है। उन्होंने तर्क दिया कि यदि जनगणना पोर्टल में छत्तीसगढ़ी का विकल्प नहीं दिया गया, तो वास्तविक भाषायी आंकड़े कभी सामने नहीं आ पाएंगे, जिससे राज्य की सांस्कृतिक और भाषायी पहचान को नुकसान पहुंचेगा।

लोकतांत्रिक आंदोलन की चेतावनी– जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी ने प्रशासन और निर्वाचन आयोग को दो टूक शब्दों में चेतावनी दी है कि यदि पोर्टल में सुधार कर छत्तीसगढ़ी भाषा को शामिल नहीं किया गया, तो पार्टी पूरे प्रदेश में चरणबद्ध तरीके से लोकतांत्रिक आंदोलन शुरू करेगी।

महापौर जिला अस्पताल पहुंचकर घायलों से मिलीं, बेहतर उपचार के दिए निर्देश

भीषण गर्मी को देखते हुए व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के निर्देश

दुर्ग। बोरी थाना क्षेत्र अंतर्गत रविवार देर रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया। मोहननगर के तितुरडीह से बोरी के ग्राम मड़ियापार बारातियों को लेकर लौट रही बस अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतरकर पलट गई।

इस दुर्घटना में कुल 19 लोग घायल हो गए, घटना की सूचना मिलते ही -महापौर अलका बाघमार देर रात ही जिला अस्पताल पहुंचीं और घायलों का हालचाल जाना। इसके पश्चात मंगलवार सुबह महापौर अलका बाघमार द्वारा लोक कर्म प्रभारी देवनारायण चन्द्राकर के साथ पुनः जिला अस्पताल के सर्जिकल वार्ड में भर्ती घायलों से मुलाकात कर उनकी स्थिति की जानकारी ली तथा चिकित्सकों से उपचार संबंधी विस्तृत चर्चा की। निरीक्षण के दौरान महापौर ने चिकित्सकों एवं नर्सिंग स्टाफ को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी घायलों के उपचार में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा आवश्यक दवाइयों एवं संसाधनों की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इस दौरान उन्होंने अस्पताल में भर्ती मरीजों के परिजनों से भी संवाद कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली और भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए शुद्ध पेयजल, दवाइयों की उपलब्धता एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं बनाए रखने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

अवैध कब्जे पर सख्त रुख, शीतला तालाब में अतिक्रमण त्वरित कार्रवाई के निर्देश

वृंदावन कॉलोनी में पाइपलाइन विस्तार और नाली निर्माण जल्द, विकास कार्यों में तेजी लाने निगम प्रतिबद्ध

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत आज महापौर अलका बाघमार ने लोक कर्म प्रभारी देवनारायण चन्द्राकर, पार्षद सरिता विनोद चन्द्राकर,पार्षद गुलाब वर्मा भवन अधिकारी प्रकाश चंद थवानी एवं स्वास्थ्य अधिकारी दुर्गेश गुप्ता सहित निगम टीम के साथ सिविल लाइन स्थित शीतला तालाब एवं वृंदावन कॉलोनी, वार्ड क्रमांक 40 का विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान शीतला तालाब को भूस्वामी द्वारा अवैध रूप से पाटे जाने की गंभीर शिकायत प्राप्त होने पर महापौर ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल मौके का जायजा लिया। उन्होंने मौके से ही जिला कलेक्टर से दूरभाष पर चर्चा कर प्रकरण में शीघ्र एवं सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने की बात कही। महापौर ने स्पष्ट कहा कि सार्वजनिक संपत्तियों एवं जल स्रोतों पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। महापौर अलका बाघमार ने निरीक्षण के दौरान वार्ड क्रमांक 40 के नागरिकों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। वृंदावन कॉलोनी के रहवासियों द्वारा पेयजल पाइपलाइन विस्तार एवं नाली निर्माण की प्रमुख मांग रखी गई। इस पर महापौर ने नागरिकों को आश्वस्त करते हुए कहा कि आगामी तीन से चार माह के भीतर पाइपलाइन विस्तार का कार्य प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराया जाएगा तथा नाली निर्माण के लिए भी आवश्यक कार्यवाही शीघ्र शुरू की जाएगी। महापौर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शीतला तालाब को पाटने के प्रयास में संलिप्त भूस्वामी के विरुद्ध तत्काल वैधानिक कार्रवाई की जाए और तालाब के मूल स्वरूप को संरक्षित रखने हेतु आवश्यक कदम उठाए जाएं। उन्होंने कहा कि जल स्रोतों का संरक्षण नगर की प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं होगी। निरीक्षण के दौरान महापौर ने कहा कि नगर के समग्र विकास एवं नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निगम प्रशासन सतत प्रयासरत है। जल, स्वच्छता, सड़क एवं अन्य आवश्यक सेवाओं को मजबूत करने हेतु योजनाबद्ध तरीके से कार्य किए जा रहे हैं।

ताकि शहरवासियों को बेहतर जीवन स्तर मिल सके।

पुलिस कार्यालय में जहर सेवन करने के मामले में कोतवाली पुलिस की सख्त कार्यवाही

पूर्व में भी आरोपी द्वारा एक झूठा शिकायत के मामले जहर सेवन किया गया था

चांपा। पुलिस कार्यालय में जहर सेवन करने के मामले में कोतवाली पुलिस की सख्त कार्यवाही। पूर्व में भी आरोपी द्वारा एक झूठा शिकायत के मामले जहर सेवन किया गया था। लगभग 2:30 बजे दोपहर में एक व्यक्ति जिसका नाम टिकेश्वर उर्फ़ टी आर साहू द्वारा पुलिस कार्यालय आया और जबरन पुलिस अधीक्षक के कक्ष में घुसने का प्रयास करने लगा जिसे वहां पर ड्यूटी में तैनात पुलिस स्टाफ के द्वारा मना किया गया परंतु आरोपी टिकेश्वर उर्फ़ टी आर साहू के द्वारा वहां उपस्थित पुलिस स्टाफ के साथ विवाद कर जबरन धक्का देकर अंदर घुसने का प्रयास कर रहा था। जिसे उपस्थित पुलिस स्टाफ के द्वारा रोका गया आरोपी की गतिविधि संदिग्ध लगने पर उसे चेक करने पर उसके पॉकेट में एक कीटनाशक दवा का खुला पैकेट मिला पूछताछ करने पर आरोपी टिकेश्वर उर्फ़ टी आर साहू ने बताया कि वह कीटनाशक दवा का सेवन किया है और ऑफिस आया है जानकारी मिलने पर इसकी सूचना तत्काल प्रभारी पुलिस अधीक्षक निवेदिता पॉल (रापुसे), अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कश्यप, नगर पुलिस अधीक्षक कोतवाली योगिता बाली खापर्डे को दिया गयाऔर आदेशानुसार आरोपी टिकेश्वर साहू को तत्काल जिला अस्पताल जांजगीर में इलाज हेतु भर्ती कराया गया आरोपी टिकेश्वर उर्फ़ टी आर साहू के द्वारा कार्यालयीन समय में कार्यालय में आकर शासकीय कार्य में बाधा डालते हुए जबरन बल का प्रयोग करके पुलिस अधीक्षक कार्यालय में घुसने का प्रवेश किया गया और उसके द्वारा कीटनाशक दवा का उपयोग कर अपनी शिकायत पर कार्रवाई करने का जबरन दबाव बनाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया गया। आरोपी टिकेश्वर उर्फ़ टी आर साहू के विरुद्ध थाना सिटी कोतवाली में अपराध क्रमांक 304/26 धारा - 221,232, 226 का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण में आरोपी टिकेश्वर उर्फ़ टी आर साहू को आज पुलिस टीम के द्वारा पकड़ गया पूछताछ करने पर आरोपी के द्वारा अपराध घटित करना स्वीकार किया गया आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया उपरोक्त कार्रवाई में निरीक्षक जयप्रकाश गुप्ता थाना प्रभारी कोतवाली, प्रधान आरक्षक राकेश तिवारी, आरक्षक नितेश विश्वकर्मा, शंकर राजपूत, दिलीप सिंह, तोरन डहरिया का विशेष योगदान रहा।

सुशासन तिहार-2026: जन समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए विशेष शिविरों का आयोजन

01 मई से 23 मई तक शहर के विभिन्न वार्डों में लगेंगे शिविर

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा राज्य शासन के निर्देशानुसार सुशासन तिहार-2026 के अंतर्गत शहर में जन समस्या निवारण हेतु विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर 01 मई से 23 मई 2026 तक दुर्ग शहर सीमा क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में प्रतिदिन सुबह 9:00 बजे से सायं 4:00 बजे तक आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों का उद्देश्य शासकीय कार्यों में पारदर्शिता लाना तथा विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना है।साथ ही आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित निराकरण कर सुशासन को और सुदृढ़ किया जाएगा।

शिविरों के सफल संचालन हेतु तैयारी–नोडल अधिकारी एवं आयुक्त सुमित अग्रवाल द्वारा शिविरों के सुचारू संचालन हेतु अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी निर्धारित कर जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। तैयारियों की समीक्षा बैठक में उन्होंने निर्देश दिए कि शिविर स्थलों पर साफ-सफाई, पेयजल, कूलर, टेंट एवं बैठने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

निर्धारित शिविरों का विवरण

(1) वार्ड क्रमांक 01, चंद्रशेखर आजाद उ.मा. विद्यालय, पंचशील नगर, दुर्ग वार्ड क्रमांक : 1 से 13, 56, 57 दिनांक: 01 मई 2026 (शुक्रवार)

(2) वार्ड क्रमांक 60, शासकीय प्राथमिक शाला, कचुलाबोर्ड वार्ड क्रमांक : 14 से 24, 47, 58, 59, 60 दिनांक: 07 मई 2026 (गुरुवार)

(3) वार्ड क्रमांक 46, स्वामी विवेकानंद भवन वार्ड क्रमांक : 39 से 46, 48 से 54 दिनांक: 13 मई 2026 (बुधवार)

(4) वार्ड क्रमांक 37, पुराना गंजमंडीवार्ड क्रमांक : 25 से 38, 55 दिनांक: 23 मई 2026 (शनिवार)।

नागरिकों से अपील

नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा समस्त शहरवासियों से अपील की गई है कि वे इन शिविरों में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर अपनी समस्याओं का मौके पर ही समाधान प्राप्त करें।

सही दवा–शुद्ध आहार, यही छत्तीसगढ़ का आधार थीम के अंतर्गत

औषधि एवं खाद्य प्रशासन द्वारा संचालित सघन जांच अभियान के दूसरे दिन

दुर्ग। छत्तीसगढ़ शासन एवं नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन के निर्देशानुसार 27 अप्रैल 2026 से 11 मई 2026 तक सही दवा-शुद्ध आहार यही छत्तीसगढ़ का आधार थीम के अंतर्गत 15 दिवसीय सघन जांच अभियान संचालित किये जाने हेतु प्रत्येक जिले में कार्यरत खाद्य एवं औषधि प्रशासन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है जिसमें औषधि शाखा द्वारा जिले में कॉस्मेटिक एजेंसीयां, थोक एवं खुदरा औषधि विक्रय फर्म, अस्पताल एवं अस्पतालों से जुड़े फार्मेसी में कोल्ड चैन का निरीक्षण निजी एवं शासकीय परिसरों में वैक्सीन संधारण एवं कोल्ड चैन की जांच, स्वापक औषधियों के थोक एवं खुदरा फर्मों में क्रय-विक्रय संबंधित दस्तावेजों की जांच, सार्वजनिक स्थलों पर कोटपा अधिनियम के तहत् कार्यवाही एवं जागरूकता अभियान एवं निजी एवं शासकीय अस्पतालों की फार्मेसीयों की जांच / निरीक्षण एवं एडवर्स ड्रग इवेंट की रिपोर्टिंग प्रक्रियाओं की जांच औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1940 नियमावली 1945 के तहत की जाएगी। खाद्य शाखा द्वारा चाट, गुपचुप सेंटर्स, गन्ना रस, सॉफ्ट ड्रिंक्स, आईसक्रीम, जूस सेंटर, डेयरी प्रोडक्ट विक्रेता फर्म, मिठाई दुकान, होटल, रेस्टोरेंट, केक एवं बेकरी प्रोडक्ट विक्रेता फर्म, मिड-डे- मिल सेंटर्स, हास्पिटल कैंटीन, पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर्स, आईस्क्रीम विक्रेता, कन्फेक्शनरी प्रतिष्ठान, ढ़ाबा, फल एवं सब्जी विक्रेता प्रतिष्ठान, पेप्सी, आईसगोला, आईस कैण्डी विक्रेता प्रतिष्ठानों की सघन जांच खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत् की जाएगी।

औषधि शाखा द्वारा जांच –अभियान के दूसरे दिवस 28 अप्रैल 2026 को जिले में संचालित मेसर्स श्रद्धा मेडिकल एजेंसी, शनिचरी बाजार, दुर्ग, मेसर्स वर्धमान एजेंसी, गंजपारा, मेसर्स रिषभ डिस्ट्रीब्यूटर्स, गंजपारा, मेसर्स टी. सी. मेडिकोज, गंजपारा, स्टेशन रोड, दुर्ग रोड, दुर्ग में स्थित मेसर्स जायडस हेल्थ केयर, मेसर्स जायडस लाईफसाइंसेस, मेसर्स मेकमनी प्रा.लि. मेसर्स जिनदत्त डिस्ट्रीब्यूटर्स, रामनगर, भिलाई में स्थित मेसर्स भारत एजेंसी एवं अशोक एजेंसी ऐसे 10 कॉस्मेटिक विक्रय करने वाली थोक औषधि विक्रेता फर्मों का निरीक्षण औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1940 नियमावली 1945 के तहत किया गया जिसमें 02 प्रसाधन सामग्री का नमूना जांच हेतु संकलित किया गया एवं सभी फर्मों के क्रय-विक्रय रिकॉर्ड की जांच की गई एवं सख्त निर्देश दिये गए कि उनके द्वारा कास्मेटिक सामान का क्रय-विक्रय अधिकृत विक्रेताओं/एजेंसी से/ को बिल के माध्यम से किया जाए। भविष्य में भी इस तरह की कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

खाद्य शाखा द्वारा जांच –अभियान के दूसरे दिवस 28 अप्रैल 2026 को जिले में विभिन्न क्षेत्रों में संचालित गन्ना रस एवं जूस सेंटर आदि स्ट्रीट वेंडर्स की जांच खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत् किया जा रहा है, जिसमें संचालकों को साफ स्वच्छ पीने योग्य पानी से बने बर्फ का उपयोग करने, रंगों का उपयोग नहीं करने, परिसर के आस-पास स्वच्छता रखने, ताजा फलों का प्रयोग करने एवं डस्टबीन रखने हेतु निर्देशित किया गया एवं पाण्डे जूस कार्नर, इंदिरा मार्केट, देवांगन जूस कार्नर, अग्रसेन चौक में मैन्गो जूस में रंग मिलाया जा रहा था, रंग को मौके पर नष्ट कराया गया एवं भविष्य में रंग का प्रयोग करने, खराब एवं सड़े फलों का प्रयोग करने एवं नियमों का उल्लंघन पाये जाने पर नियमानुसार कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायतीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com